RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 32 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

गुरुवार 07 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :46 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 08 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 सवाल जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता का?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 293 | गाजियाबाद, गुरुवार 07 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

चुनाव आयोग बिहार मतदाता सूची से गायब

65 लाख लोगों के विवरण शनिवार तक दें : सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह विशेष पुनरीक्षण के दौरान बिहार मतदाता सूची से हटाये गए 65 लाख लोगों (मृत और स्थायी पलायन करने वाले) का विवरण शनिवार तक दे।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुयान और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण की गुहार पर यह निर्देश दिया।

पीठ ने निर्वाचन आयोग के वकील से कहा, "शनिवार तक जवाब दाखिल करें और श्री भूषण को इसे देखने दें। फिर हम देख पाएंगे कि क्या खुलासा हुआ है और क्या नहीं।" पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार हर राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को यह जानकारी दी जाएगी।

इस पर चुनाव आयोग के अधिवक्ता ने कहा कि वह प्रश्तुत करेगा कि यह जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जानकारी साझा की गई है।

अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि वह अपना जवाब रिकॉर्ड पर रखें।

पीठ ने निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता से कहा, "उन राजनीतिक दलों की सूची दीजिए जिन्हें यह जानकारी दी गई है। हम 12 अगश्त को मामले की सुनवाई करेंगे। तब तक अपना (निर्वाचन आयोग का) जवाब दाखिल करें।"

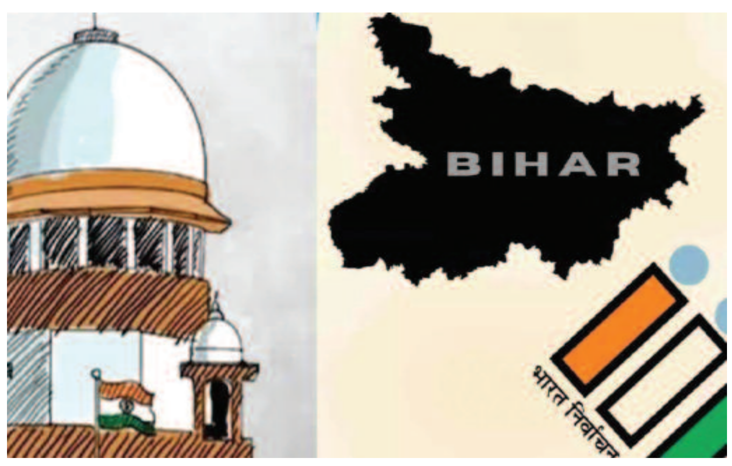

शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता की चिंताओं पर कहा, "हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभावित होने वाले प्रत्येक मतदाता को आवश्यक जानकारी मिले।"

एडीआर ने अपने आवेदन में कहा कि 25 जुलाई को निर्वाचन आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की जिसमें कहा गया था कि लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

श्री भूषण ने पीठ के समक्ष गुहार लगाते हुए कहा, "ड्राफ्ट मतदाता सूची में 65 लाख नामों के छूटने की बात कही गई है, लेकिन इन नामों की कोई सूची नहीं दी गई। इसमें 32 लाख लोगों के पलायन की बात कही गई, लेकिन कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया है।"

उन्होंने आगे कहा, "उन्हें (चुनाव आयोग) यह बताना चाहिए कि 65 लाख लोग कौन हैं? कौन पलायन कर गए हैं। कौन मर गए हैं? जाहिर है, बीएलओ ने उस व्यक्ति को हटाने या न हटाने की सिफ़ारिश की है।"

श्री भूषण ने दलील दी थी कि चुनाव आयोग ने दो निर्वाचन क्षेत्रों सूची प्रकाशित की है। अन्य क्षेत्रों का क्या हुआ?

मर्चेंट शिपिंग विधेयक, 2024 लोकसभा से पारित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा ने बुधवार को व्यापारिक जहाज़ों के स्वामित्व के लिए पात्रता मानदंड का विश्तार करने और समुद्री दुर्घटनाओं की जांच और पूछताछ का प्रावधान करने वाले विधेयक को पारित कर दिया।

लोकसभा में हंगामे के बीच केन्द्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने मर्चेंट शिपिंग विधेयक 2024 पेश किया। इसका उद्देश्य इससे जुड़े 1958 के अधिनियम को प्रतिस्थापित करना है।

विधेयक को पारित किए जाने पर सदस्यों का आभार प्रगट करते हुए केन्द्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि इससे भारत के समुद्री क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी। यह विधेयक आधुनिक, प्रभावी और अंतरराष्ट्रीय मानकों से मेल खाने वाले कानूनी ढांचे की स्थापना करता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में लाया गया एक प्रगतिशील कदम है। इसके जरिए समुद्री सुरक्षा को मजबूत किया गया है, समुद्री पर्यावरण की रक्षा सुनिश्चित की गई है और आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था की गई है। साथ ही नाविकों के व्यापक कल्याण को भी इसमें प्राथमिकता दी गई है।

विधेयक के माध्यम से नियमों का पालन आसान होगा, भारतीय ध्वज के अंतर्गत जहाजों की संख्या में वृद्धि होगी और भारत एक समुद्री व्यापार केंद्र के रूप में और अधिक विश्वसनीय बनेगा। इन अगली पीढ़ी के सुधारों से समुद्री क्षेत्र को नई गति मिल रही है, जिससे 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

अमेरिका ने भारत पर लगाया और 25 प्रतिशत आयात शुल्क

✷ वेबवार्ता. वाशिंगटन ✷

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल की खरीद जारी रखने के कारण भारत पर 25 प्रतिशत और आयात शुल्क लगा दिया है।

श्री ट्रंप ने आपातकालीन प्रावधानों के तहत बुधवार को इस संबंध में एक कार्यकारी आदेश जारी किया।

व्हाइट हाउस द्वारा इस संबंध में जारी फैक्टशीट में कहा गया है कि यह अतिरिक्त आयात शुल्क 27 अगश्त से प्रभावी होगा। इससे पहले अमेरिका ने 01 अगश्त से भारत से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत की दर से अतिरिक्त शुल्क लगाया था।

इस प्रकार 27 अगश्त से भारतीय सामानों पर अमेरिका में आयात शुल्क दोगुना हो जायेगा।

व्हाइट हाउस ने कहा है कि यह शुल्क विशेष रूप से रूस से भारत के तेल खरीदने के कारण लगाया गया है और प्रशासन अन्य देशों के खिलाफ भी ऐसे मामलों में अतिरिक्त आयात शुल्क लगा सकता है और इसके लिए एक व्यवस्था बनायी जा रही है।

इससे पहले, भारत ने रूस से तेल खरीदने पर दंड लगाने की राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी को दोहरा मानदंड बताते हुये कहा था कि अमेरिका और यूरोपीय यूनियन खुद रूस से व्यापार जारी रखे हुये हैं।

श्री ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि भारत न केवल रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है बल्कि इसे खुले बाजार में बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। इसके कारण वह भारत पर अमेरिका में लगने वाले आयात शुल्क में बड़ी वृद्धि करेंगे।

इस आदेश में महत्वपूर्ण खनिजों और उनके उत्पादों को बढ़े हुये शुल्क से मुक्त रखा गया है। फैक्टशीट में कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप शांति स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इन कार्रवाइयों का उद्देश्य रूस पर दबाव बनाना है ताकि वह यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई समाप्त करे और वहाँ के लोगों के जीवन की रक्षा हो।

रिजर्व बैंक ने रेपो दरों में कोई बदलाव नहीं किया, खुदरा मुद्रास्फीति अनुमान घटाया

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उम्मीद के अनुरूप बुधवार को रेपो दर तथा अन्य नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन चली बैठक के बाद बुधवार को बताया कि अच्छे मानसून और आगे त्योहारी सीजन के साथ नीति निर्माण के श्तर पर समर्थन के कारण निकट भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत मिल रहे हैं। विकास का बढ़ावा देने के लिए समिति ने रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है।

अडानी के खिलाफ अमेरिका में जांच से ट्रंप की धमकियों से बच रहे हैं मोदी : राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चहेते उद्योगपति अडानी के खिलाफ जांच चल रही है इसलिए श्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिल रही धमकियों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री ट्रंप की बार-बार की धमकियों पर श्री मोदी की चुप्पी अमेरिका, अडानी और रूस के बीच वित्तीय संबंधों का खुलासा भी करता है। उनका कहना था कि यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने श्री मोदी खड़े नहीं हो पा रहे हैं। श्री गांधी सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत, कृपया समझे। प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति ट्रम्प की बार-बार की धमकियों के बावजूद, उनके सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं, इसका कारण अडानी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है।" उन्होंने कहा, "यह धमकी मोदी, एए और रूसी तेल सौदों के बीच वित्तीय संबंधों को उजागर करती है। मोदी के हाथ बंधे हुए हैं।'

इंडिया पोस्ट ने एडवांस्ड पोस्टल टेक को किया शुरू, रियल-टाइम ट्रेकिंग से लेकर लेनदेन हुआ तेज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। इंडिया पोस्ट ने राष्ट्रीय श्तर पर एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी (एपीटी) सिस्टम को लॉन्च कर दिया है। इससे रियल-टाइम ट्रेकिंग से लेकर लेनदेन की रफ्तार में इजाफा हुआ है। यह जानकारी संचार मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गई। एपीटी को आईटी 2.0 के तहत किए जा रहे इंडिया पोस्ट के डिजिटल बदलाव के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एपीटी सिस्टम से लेनदेन की रफ्तार, डिजिटल पेमेंट एकीकरण, रियल-टाइम ट्रेकिंग और ग्राहक अनुभव में सुधार देखा गया है। आगे कहा कि पुराने से नए सिस्टम की तरफ यह परिवर्तन, अधिक तीव्र, स्मार्ट और अधिक ग्राहक-केंद्रित डाक सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए विश्वामित्री नदी पर पुल का निर्माण पूरा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत गुजरात के वडोदरा जिले में विश्वामित्री नदी पर पुल का निर्माण कार्य अब पूरा हो चुका है। यह पुल परियोजना के लिए गुजरात में निर्मित किए जाने वाले कुल 21 नदी पुलों में से 17वां है। यह पुल 80 मीटर लंबा है और पश्चिम रेलवे की वडोदरा-सूरत मुख्य लाइन के निकट स्थित है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने बुधवार को एक बयान में बताया कि इसके निर्माण में एसबीएस (स्पैन बाय स्पैन) विधि का उपयोग किया गया है। पुल के पियर्स की ऊंचाई 26 से 29.5 मीटर तक है और यह पुल 5.5 मीटर व्यास के तीन गोलाकार पियर्स से निर्मित है।

कर्तव्य भवन विकसित भारत का सपना करेंगे साकार : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवनिर्मित कर्तव्य भवन को संविधान की मूल भावना का उद्‌घोष बताते हुए कहा है कि इसमें जो नीतियां और निर्णय लिए जायेंगे उनसे आत्मनिर्भर भारत की कहानी लिखने के साथ साथ विकसित भारत का सपना साकार किया जायेगा।

श्री मोदी ने बुधवार को यहां सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत केन्द्रीय सचिवालय भवनों में से एक कर्तव्य भवन-3 का दिन में उद्‌घाटन किये जाने के बाद शाम को एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस नये भवन से देश को गरीबी से मुक्त करने के साथ साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है।

प्रधानमंत्री ने कर्तव्य भवन को कर्मचारियों तथा पृथ्वी दोनों के अनुकूल बताते हुए कर्मचारियों से लोगों के कामों को सेवाभाव से पूरा करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को नये भवन में अपने कार्यों को यादगार बनाने तथा फाइलों को लेकर नजरिया बदलना होगा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना होगा।

श्री मोदी ने कहा कि कर्तव्य पथ, संसद भवन , रक्षा भवन,यशो भूमि, युद्ध स्मारक और कर्तव्य भवन के निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि ये केवल कुछ नये भवन नहीं हैं , अमृत काल में इन्हीं भवनों में विकसित भारत की नीतियां और निर्णय लिए जायेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों में यहीं से राष्ट्र की दशा तय होगी।

कर्तव्य भवन के नाम को लेकर उन्होंने कहा कि इस इमारत को बहुत मंथन के बाद कर्तव्य भवन नाम दिया गया है। उन्होंने कहा , " ये हमारे संविधान की मूल भावना का उद्‌घोष करते हैं।" उन्होंने गीता के एक शलोक का हवाला देते हुए कहा , " हमें फल की इच्छा के बिना कर्म करना चाहिए। कर्तव्य भारतीय संस्कृति में केवल दायित्व तक सीमित नहीं है। कर्तव्य हमारे देश के कर्म प्रधान दर्शन की मूल भावना है। यह केवल इमारत का नाम भर नहीं है ये करोड़ों देशवासियों के सपनों को साकार करने की कर्मभूमि है। "

पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भारत के साथ आजाद हुए कितने ही देश इतनी तेजी से आगे बढ गये लेकिन भारत उनकी गति से आगे नहीं बढ पाया। उन्होंने कहा कि हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम समस्याओं को आने वाली पीढियों के लिए छोडकर नहीं जाये।

श्री मोदी ने कहा कि आजादी के बाद दशकों तक देश की प्रशासनिक मशीनरी उन इमारतों से चलायी गयी जो ब्रिटिश काल में बनी थी। इनमें स्थिति कितनी खराब थी यहां कार्य करने वालों के लिए पर्याप्त जगह और रोशनी नहीं थी।

गृह मंत्रालय सौ वर्षों से एक ही इमारत में अपर्याप्त संसाधनों से चल रहा था। विभिन्न मंत्रालय दिल्ली के 50 अलग अलग जगहों पर चल रहे थे इनमें से कुछ किराये के भवनों से चल रहे थे। इस पर काफी पैसा खर्च हो रहा था।

हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मुद्दे पर लोकसभा में विपक्षी दलों का हंगामा बुधवार को भी जारी रहा जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद तीसरी बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

लोकसभा में दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु की तो विपक्षी दलों के सदस्य हाथों पर तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए सदन के बीचो-बीच आकर हंगामा करने लगे। पीठासीन अधिकारी ने उन्हें हंगामा नहीं करने तथा अपनी सीट पर जाकर सदन की कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया लेकिन वे नहीं माने और हंगामा चलता रहा।

इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि सरकार विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए किसी भी मुद्दे पर सदन में चर्चा करने के लिए तैयार है लेकिन सदन में जो भी काम होंगे वह संवैधानिक प्रावधान के तहत और लोकसभा की आचार संहिता के अनुसार ही किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल चुनाव आयोग को लेकर चर्चा करना चाहते हैं लेकिन यह मामला न्यायालय के विचाराधीन है।

दूसरी ओर आयोग स्वायत्त संस्था है और उसे मुद्दे पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती है यह संसद के नियमों के खिलाफ है पहले भी इस तरह की के मुद्दे सामने आए हैं लेकिन संसद में उन पर चर्चा नहीं की गई। उनका कहना था कि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ की समक्ष यह मामला आया तो उन्होंने इस पर यह कहते हुए चर्चा करने से इनकार कर दिया था कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और इस पर सदन में चर्चा नहीं कराई जा सकती है।

खाटू श्याम मंदिर के लिए रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजना : रेल मंत्री

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रेल मंत्रालय ने राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेल कनेक्टिविटी में सुधार करने की योजना बनाई है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भाजपा सदस्य रामवीर सिंह बिधूड़ी के प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि रींगस-खाटू श्याम मंदिर के लिए नया रेलवे लाइन प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया है, जिसकी लागत 254 करोड़ रुपये होगी।

इसके लिए 2025-26 वित्त वर्ष में 43 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

उन्होंने बताया कि खाटू श्याम मंदिर का नजदीकी रेलवे स्टेशन रींगस है। यह स्टेशन वर्तमान में दिल्ली से आठ जोड़ी मेल और एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं से जुड़ा हुआ है। इनमें से तीन जोड़ी रेल सेवाएं दैनिक रूप से संचालित होती हैं।

रेल मंत्री के अनुसार, 2024-25 और 2025-26 (जून 2025 तक) के दौरान दिल्ली-रींगस क्षेत्र के बीच क्रमशः 4.98 लाख और 1.25 लाख आरक्षित यात्रियों ने यात्रा की। इन ट्रेनों की औसत सीटों की ऑक्यूपेंसी 100 प्रतिशत से भी अधिक रही है।

रेल मंत्री ने एक अन्य प्रश्न के जवाब में बताया कि अलवर से नूह और फिरोजपुर झिरका होते हुए दिल्ली तक एक नया रेलवे मार्ग 2013-14 के बजट में स्वीकृत किया गया था, लेकिन इसे अब तक शुरू नहीं किया जा सका।

इसकी वजह यात्री संख्या का अनुमानित श्तर कम होना बताया गया है। हालांकि, दिल्ली से अलवर तक रेल सेवा पहले ही रेवाड़ी मार्ग से उपलब्ध है।

रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में कोटा और जयपुर के बीच 29 जोड़ी ट्रेन सेवाएं चल रही हैं, साथ ही कोटा और रींगस के बीच तीन जोड़ी नियमित ट्रेन सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में तीन जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

नई ट्रेन सेवाओं का परिचालन भारतीय रेलवे की एक निरंतर प्रक्रिया है, जो यात्री संख्या, संचालन की क्षमता और संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस ने साधा केंद्र पर निशाना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

तेलंगाना में ओबीसी को 42 फीसदी आरक्षण देने संबंधी विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को यहां के जंतर-मंतर पर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि कांग्रेस की तेलंगाना सरकार ने ओबीसी समुदाय को शिक्षा, सरकारी नौकरियों और स्थानीय स्वशासन में 42 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण विधेयक पारित किया है, जो अब राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए लंबित है। यह कदम जातिगत सर्वेक्षण के आधार पर सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार इस विधेयक को रोककर सामाजिक न्याय के राश्ते में रुकावट डाल रही है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि यह विधेयक सिर्फ तेलंगाना नहीं, बल्कि पूरे देश के हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए प्रगति और समान अवसर का राश्ता है। यह कानून जातिगत जनगणना के आंकड़ों पर आधारित है और संविधान में निहित सामाजिक न्याय के सिद्धांत को आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार और कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में राष्ट्रपति से इस विधेयक को मंजूरी देने की मांग को लेकर धरना दिया और उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रपति इस पर संवेदनशीलता दिखाएंगी।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पोस्ट में तेलंगाना सरकार के इस विधेयक को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना के आंकड़ों के आधार पर यह एक साहसिक कदम है।

हत्या में वांछित एक शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

25 जुलाई 2025 को समय करीब दस बजे अज्ञात मोटर साइकिल सवार अभियुक्तगण द्वारा वादी देवेन्द्र सिंह पुत्र सरदार सिंह निवासी ग्राम कोंडरा थाना हरदुआगंज जिला अलीगढ के भाई शैलेन्द्र उर्फ सोनू चौधरी के ऊपर जान से मारने की नियत से फायर करना जिससे उसके भाई का गम्भीर रूप से घायल हो जाना एवं उपचार के दौरान मृत्यु हो जाने के सम्बन्ध मे थाना हाजा पर बीएनएस पंजीकृत कराया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध की रोकथाम व वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक देहात के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी अतरौली के पर्यवेक्षण में थाना हरदुआगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बीएनएस में वांछित अभियुक्त दिनेश चौधरी पुत्र राधेश्याम निवासी गांव कोंडरा थाना हरदुआगंज जिला अलीगढ को अपने परिजनो से मिलने के लिये आते समय भीमगढी भट्टे के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस ने किया शातिर चोर गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

थाना अकराबाद पुलिस टीम ने एक शातिर अभियुक्त अजमत पुत्र अजमल निवासी निशात बाग गौशाला के पास धौर्रा माफी थाना क्वार्सी को चोरी की एक मोटर साइकिल टीवीएस अपाचे रंग सफेद रजिस्ट्रेशन संख्या यूपी0 14 सी0एच0 6862 व एक देशी तमंचा 12 बोर मय 01 जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ अकराबाद से पिलखना रोड पर बम्बे की पुलिया के पास गिरफ्तार किया।

अभियुक्त से जब बरामदशुदा मोटर साईकिल व तमंचा के बारे में जानकारी की गयी तो माफी मांगते हुये बोला कि साहब मै बेरोजगार व्यक्ति हूं अपने शौक पूरे करने के लिये आज मैने यह मोटरसाइकिल गंगीरी कासगंज रोड पर गांव मलसई के पास से चोरी की है तथा मुझे तमंचा कारतूस रखने का शौक है।

दो शातिर चोर गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

जनपद में अपराध की रोकथाम व शातिर चोर व लूटेरों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बन्नादेवी व एण्टी थैफ्ट टीम द्वारा जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अपराध करने वाले अभियुक्तगण रिन्कू उर्फ छोटू पुत्र अशोक कुमार उर्फ नरसी निवासी इन्द्रानगर बाग परी तालाब थाना देहलीगेट अलीगढ व ललित कुमार (मोटर साईकिल मिस्त्री) पुत्र हरीश चन्द्र निवासी छतारी दुराई थाना छतारी बुलन्दशहर हाल निवासी कामाख्या मन्दिर थाना बन्नादेवी अलीगढ को एक चोरी की मोटर साईकिल चालू हालत बिना नम्बर के व एक मोटर साइकिल के पार्टस तथा घटना में प्रयुक्त एक मोटर साईकिल स्पलेन्डर प्लस काले रंग की बिना नम्बर के साथ मित्तल गेट के पास नुमाईश ग्राउण्ड थाना क्षेत्र थाना बन्नादेवी अलीगढ से गिरफ्तार किया।

अज्ञात युवक की बैठे-बैठे मौत

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

कोतवाली इगलास कस्बा के गोंडा मोड पर गतदिन एक अज्ञात युवक का शव मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इगलास कस्बा के लक्ष्मी कलेक्शन शोरूम के सामने एक व्यक्ति बैठा हुआ था। बैठे-बैठे ही अचानक उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं सकी।

युवक की उम्र लगभग 25 से 30 साल बताई जा रही है। पास के ही युवक गोलू शर्मा ने बताया कि यह युवक पिछले 3 से 4 दिन से कस्बे में घूम रहा था। आज सुबह वह बिल्कुल ठीक था, लेकिन अचानक बैठे-बैठे ही उसकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर इगलास नरेंद्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि अज्ञात शव की सूचना पर पुलिस ने पंचनामा भर दिया है।

जीजा ने साले की चाकू मारकर की हत्या

एनसीआर टुडे. अलीगढ़

अकराबाद थाना क्षेत्रान्तर्गत गांव नानऊ रूपयों के लेनदेन को लेकर बहनोई ने साले और उसके दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में साले की मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर घायल है। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी अकराबाद में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार थाना हरदुआगंज के नगला कोठी निवासी मृतक विनीत निवासी कोठी थाना सिकंदराराऊ अपने साथी शैलेंद्र के साथ बहन के घर नानऊ आया था, यहां पैसे के लेनदेन को लेकर साले बहनोई में कहासुनी हो गई। इसी को लेकर बहनोई ने चाकू से साले और उसके दोस्त पर हमला कर दिया।

रीलबाजी में द्वारका एक्सप्रेसवे किया था जाम; 3 अरेस्ट, थार-फॉर्च्यूनर जब्त

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के सेक्टर 108 के पास सोमवार को द्वारका एक्सप्रेसवे पर कुछ युवकों ने सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए अपनी कारें बीच सड़क पर रोक दीं। इस वजह से हाइवे पर दोनों तरफ लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और आम लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। इस मामले में आज पुलिस ने तीन युवकों को गुड़गांव काबू कर लिया है। आरोपियों की पहचान सोहना के रहने वाले हिमांशु, सागर तथा दिल्ली के रहने वाले कौशल के रूप में हुई है। राजेंद्रा पार्क थाना पुलिस केस दर्ज आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की और फिर पकड़ा। इस मामले में शामिल अन्य अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने दो थार व एक फॉर्च्यूनर गाड़ी को भी बरामद कर लिया है। द्वारका एक्सप्रेसवे पर कल कुछ युवकों ने रील बनाने के लिए कारों

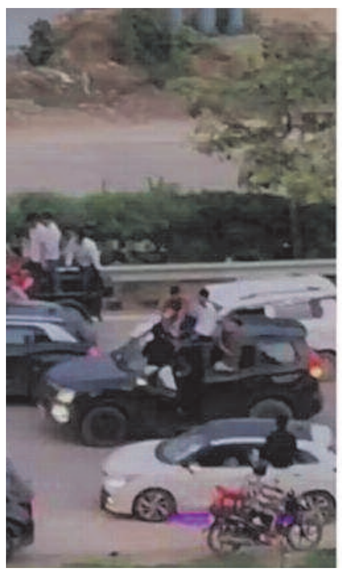

का काफिला रोक दिया, जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया था। युवकों ने करीब 10 मिनट तक गाड़ियां बीच सड़क पर रोककर वीडियो शूट किया। इस दौरान कुछ युवक कारों की खिड़कियों पर बैठे नजर आए, तो कुछ सनरूफ से बाहर निकलकर खड़े थे।

इस हरकत से एक्सप्रेसवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को भारी परेशानी हुई। युवकों के इस काफिले में मर्सिडीज बेंज, टोयोटा फॉर्च्यूनर, महिंद्रा थार, स्कॉर्पियो और कई हैचबैक कारें शामिल थीं। कुछ युवक अवैध रूप से लगाए गए सायरन बजाते हुए और डिपर जलाते हुए रील शूट कर रहे थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक युवक वहां से जा चुके थे। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद उनका पता लगाया। आए दिन देश के कई राज्यों से स्टंटबाजी के नए मामले सुनने और देखने को मिल रहे हैं। आजकल के युवा अपनी और साथ ही दूसरों की जान को जोखिम में डालकर स्टंट करते हैं और रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत 10 हजार रुपये तक जुर्माना देना होता है। यह अधिनियम तब लागू होता है जब कोई सड़क पर लापरवाही से ड्राइविंग करता है। सड़क पर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों पर और स्टंटबाजी करने वालों पर अलग-अलग धाराओं में 25,000 रुपए से लेकर 36,000 रुपए तक चालान काटा जा सकता है। वहीं, लापरवाही से वाहन चलाने पर बीएनएस की 125 धारा के तहत कार्रवाई होती है।

9 और 10 अगस्त को पूरे राजस्थान में रोडवेज की साधारण बसों में महिलाएं और बालिकाएं फ्री यात्रा करेंगी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की सड़कों पर इस रक्षाबंधन कुछ अलग ही मंजर देखने को मिलेगा। बसें भरेंगी, महिलाएं सफर करेंगी, ड्राइवर-परिचालक अपनी सीटों पर मुस्तैद होंगे... लेकिन टिकट काउंटर पूरी तरह खाली। कोई पूछने वाला नहीं होगा कि टिकट कहां है, कोई जेब से किराया नहीं निकालेगा। क्योंकि 9 और 10 अगस्त को पूरे राजस्थान में रोडवेज की साधारण बसों में महिलाएं और बालिकाएं फ्री यात्रा करेंगी। अनुमान है कि इस अनोखी योजना से करीब 8.5 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। यह कोई अफवाह नहीं, कोई शरारती मैसेज भी नहीं। खुद राज्य सरकार ने इसकी घोषणा की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन - आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान' के मंच से इसका ऐलान किया। सीएम ने कहा - सावन का महीना बहनों के मन में उल्लास भरता है। हर बहन चाहती है कि वो अपने भाई के घर जाए, रक्षाबंधन मनाए। सरकार इस भाव को और मजबूत करने के लिए रोडवेज बसों में महिलाओं को दो दिन मुफ्त यात्रा की सुविधा दे रही है। अब सोचिए - 8.5 लाख महिलाएं, दो दिन, और एक ही व्यवस्था। क्या होगा जब पूरे प्रदेश की महिलाएं बस स्टैंड की तरफ रुख करेंगी? सीट पाने की जद्दोजहद होगी, बसों में भीड़ होगी, लेकिन काउंटर पर न कोई लाइन होगी न किराया। रोडवेज प्रबंधन भी इस भीड़ को लेकर पूरी तरह अलर्ट मोड में है। राजस्थान रोडवेज के प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा के मुताबिक - हर साल की तरह इस बार भी रक्षाबंधन पर महिलाओं को फ्री यात्रा का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। योजना का अनुमानित वित्तीय भार करीब 14 करोड़ रुपए है, जो राज्य सरकार उठाएगी।ध्यान रखने वाली बात ये है कि ये सुविधा केवल राजस्थान की सीमा में चलने वाली साधारण (नॉन-एसी) बसों में ही लागू होगी। वॉल्वो, एसी और ऑल इंडिया परमिट वाली बसों में फ्री यात्रा का लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही महिलाओं और बालिकाओं को यात्रा के दौरान अपना कोई भी पहचान पत्र साथ रखना होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर दिखा सकें।

यूपी के कानपुर में सपा में छिड़ी अंदरूनी डिजिटल वार, विधायक और नगर अध्यक्ष आमने-सामने

कानपुर, एजेंसी। यूपी के कानपुर शहर में सपा नगर संगठन और विधायकों के बीच चल रही गुटबाजी ने डिजिटल वार का रूप ले लिया है। सोशल मीडिया पर इन दिनों नगर अध्यक्ष फजल महमूद और कैंट विधायक मोहम्मद हसन रूमी के समर्थकों के बीच जमकर कहासुनी हो रही है। दोनों आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल रविवार को मोहम्मद हसन रूमी ने बाबूपुरवा में कूड़ेघर की जगह पर प्रस्तावित सेल्फी प्वाइंट का शिलान्यास किया था। इसके लिए लगे बैनर-होर्डिंग में रूमी की फोटो थी।

फजल महमूद के करीबी मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के नगर अध्यक्ष शादाब आलम ने सोशल मीडिया पर बैनर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की फोटो न होने की सोशल मीडिया पर आपत्ति जताते हुए पार्टी में निष्ठा पर सवाल खड़े किए। इस पर रूमी समर्थक फजल महमूद द्वारा कांग्रेस में रहते हुए सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की अर्थी निकालने की पोस्ट करने लगे। इसके बाद दोनों तरफ से सोशल मीडिया पर वार-पलटवार शुरू हो गया।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का नहीं करूंगा अपमान बर्दाश्त : फजल

नगर अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहता हूं। कार्यकर्ता ने कैंट विधायक की होर्डिंग में फोटो के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष की फोटो न होने का जायज सवाल उठाया था। मैं स्वयं भी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। नगर अध्यक्ष होते हुए मैं अपना अपमान झेल सकता हूं लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष का नहीं। क्या सपा के सिंबल के बिना कोई जीत सकता है। व्हाट्सएप ग्रुप पर मेरे नाम से लिखित सामग्री के वायरल स्क्रीन शॉट फर्जी हैं, जिन पर एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी चल रही है। पूरे मामले को सपा प्रदेश अध्यक्ष और नेतृत्व से अवगत करा दिया है।

हिमाचल में सरकारी जमीन से कब्जा होगा खत्म, हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों को तगड़ा झटका लगा है। मंगलवार को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में हिमाचल प्रदेश लैंड रेवेन्यू एक्ट, 1954 की धारा 163-ए को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया। इस धारा के तहत सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों को नियमित करने का प्रावधान था। अब सरकार को इन कब्जों को हटाने के लिए तेजी से कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें जस्टिस विवेक ठाकुर और जस्टिस बिपिन चंदर नेगी शामिल थे, ने साफ कहा, धारा 163-ए पूरी तरह से मनमानी और असंवैधानिक है। इसके साथ ही इस धारा के तहत बनाए गए नियमों को भी रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने इस प्रावधान को संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन माना, जो कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है। कोर्ट ने टिप्पणी की, यह प्रावधान बेईमान लोगों के लिए बनाया गया कानून है और अवैधता में समानता का दावा नहीं किया जा सकता। सरकार ने इसे लेकर अपने जवाब में चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं। हिमाचल में सरकारी जमीनों पर लगभग 57,549 कब्जे हैं, जो करीब 1,23,835

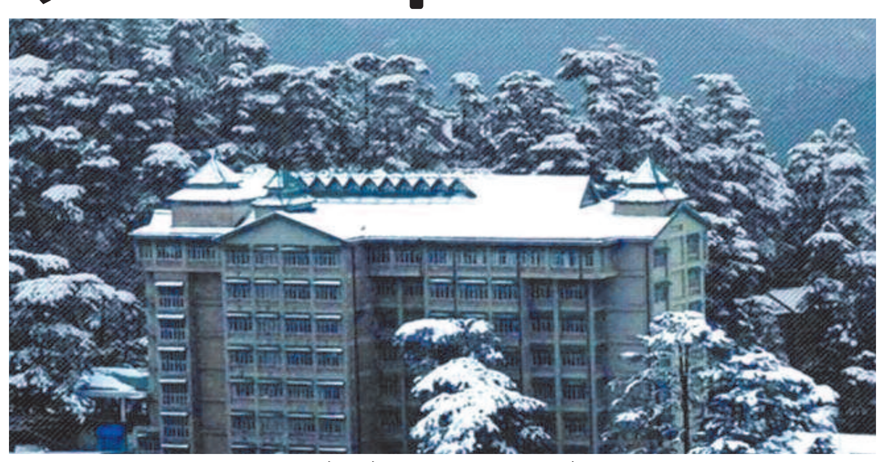

बीघा यानी 10,320 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हैं। 15 अगस्त 2002 तक कब्जों को नियमित करने के लिए 1,67,339 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस विशाल स्तर के अतिक्रमण को देखते हुए कोर्ट ने सरकार को आपराधिक अतिक्रमण से संबंधित कानून में संशोधन करने का सुझाव दिया। हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि वह धारा 163-ए के तहत आने वाले सभी अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई जल्द से जल्द शुरू करे। इसकी डेडलाइट 28 फरवरी 2026 तय की गई है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाने के खिलाफ दिए गए सभी स्थगन आदेश स्वतः रद्द माने जाएंगे। कोर्ट ने सरकार को नगर पंचायत, नगर परिषद और नगर निगम के अधिकारियों, साथ ही संबंधित कार्यकारी अधिकारियों/आयुक्तों पर अतिक्रमण की सूचना देने और उसे हटाने की कार्रवाई शुरू करने की जिम्मेदारी सौंपने का निर्देश दिया। इसके लिए संबंधित कानून और नियमों में उचित संशोधन करने को कहा गया है।

पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ धरने पर बैठे विधायक रविंद्र सिंह भाटी थाना इंचार्ज पर भड़के

बाड़मेर, एजेंसी। बाड़मेर जिले के शिव क्षेत्र में खेजड़ी के पेड़ों की कटाई को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। सोलर प्लांट के लिए हो रही पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ धरने पर बैठे शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी सोमवार को शिव थाना इंचार्ज सत्यप्रकाश पर भड़क गए। उन्होंने एसएचओ से तीखे सवाल किए और यहां तक कह डाला - दादागीरी करोगे क्या? ये ऑफिस मैं बंद कराऊं क्या?

मामला बरियाड़ा गांव का है, जहां खेजड़ी के पेड़ों की कटाई को लेकर ग्रामीणों का विरोध चल रहा है। इसी सिलसिले में 4 अगस्त की दोपहर विधायक भाटी धरना स्थल पर पहुंचे और पुलिस पर सोलर कंपनी को संरक्षण देने

का आरोप लगाया। एसएचओ सत्यप्रकाश से नाराज होकर उन्होंने कहा - हद कर रहे हो आप लोग। खेजड़ी काटने वालों के साथ बैठ रहे हो। किसानों के साथ कोई नहीं है।

एसएचओ ने जवाब में कहा कि कंपनी का ऑफिस बंद कराना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इस पर विधायक ने फिर कहा - तो कौन करेगा बंद? मैं कराऊं बंद? कराऊं? एसएचओ बोले - आपका विवेक है, आपकी इच्छा है। इस पर भाटी और ज्यादा नाराज हो गए और बोले - दिमाग खराब कर रखा है, दादागीरी कर रहे हो। बंद करो ये ऑफिस।

विवाद सिर्फ थाना इंचार्ज से ही नहीं, प्रशासन के अन्य अधिकारियों से भी रहा। विधायक भाटी ने शिव के नायब तहसीलदार अनंत गौड़ से भी कड़ी बहस की। उन्होंने सवाल किया कि इतनी बड़ी संख्या में खेजड़ी के पेड़ दफनाए जा रहे थे, तब आपका विभाग क्या कर रहा था? क्या आपको पता है कितने पेड़ कटे हैं? रिपोर्ट 3 दिन में आनी थी, 4 महीने में लाए हो। ग्रामीणों को रिपोर्ट की कॉपी दी क्या? कंपनी से कुछ मिल गया क्या? जब विधायक ने कार्यक्षेत्र से जुड़े सवाल पूछे तो नायब तहसीलदार जवाब नहीं दे सके। विधायक ने साफ कहा - अगली बार तैयारी से आइए।

इससे पहले 3 अगस्त की शाम रामसर डीएसपी मानाराम गर्ग जब धरना स्थल पहुंचे, तब भी विधायक ने कड़े तेवर दिखाए।

फाजिलपुरिया के करीबी को गोलियों से भून डाला; और भी हत्या की धमकी

गुरुग्राम, एजेंसी। पांच करोड़ रुपये के लेन-देन मामले में हरियाणवी सिंगर राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया के करीबी 40 वर्षीय रोहित शौकीन की ताबड़तोड़ फायरिंग कर उसकी हत्या कर दी गई। परिजनों का दावा है कि रोहित के कभी दोस्त रहे दीपक नांदल ने उसे रुपये लेने के लिए सेक्टर-77 में बुलाया था। तभी बाइक पर आए दो युवक रोहित पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर फरार हो गए।

रोहित शौकीन के साले ने हिन्दुस्तान से बातचीत में बताया कि रोहित को रुपये देने के लिए विदेश में बैठे दीपक नांदल ने सोमवार को फोन किया था। गुरुग्राम के सेक्टर-77 में लोकेशन देकर बुलाया। रोहित अपने बड़े भाई विजय शौकिन की सफेद रंग की कार में अपने गांव के दोस्त के साथ आया था। लोकेशन पर रोहित इंतजार कर रहा था, जबकि उसका दोस्त सड़क पार कर दुकान से कुछ सामान लेने के लिए गया था। तभी रात साढ़े नौ बजे के लगभग बाइक पर आए दो युवक रोहित पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर फरार हो गए। रोहित को एक दर्जन से ज्यादा गोलियां मारी गईं। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बाइक पर आए एक युवक ने हेलमेट पहना हुआ था, जबकि दूसरे युवक ने मुंह पर कपड़ा लपेटे हुआ था। पुलिस ने रोहित शौकिन के बड़े भाई विजय शौकिन की शिकायत पर खेड़की दौला थाने में हत्या की धाराओं में सोमवार देर रात को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजय ने आरोप लगाया कि उसके भाई की हत्या रंजिश में की गई है। इस हमले में रोहित का दोस्त बाल-बाल बच गया। रोहित के शव का पोस्टमार्टम तीन डॉक्टर के बोर्ड ने किया। डॉ.दीपक माथुर ने बताया कि रोहित को 12 से ज्यादा गोलियां मारने के निशान शव में मिले हैं। तीन गोलियों को बाहर निकाला गया है। उन्होंने बताया कि रोहित के सर, छाती और गर्दन में गोलियां लगने से मौत हुई है। उसके हाथ, पीछे और कमर में भी गोलियां लगी थीं।

पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। मौके से कई गोलियों के खोल बरामद किए गए हैं। आसपास सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

कौन हैं भाजपा की वह पूर्व प्रवक्ता? जिन्हें हाई कोर्ट जज बनाने की हुई सिफारिश; महाराष्ट्र में सवाल और बवाल

मुंबई, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले महीने की 28 जुलाई को दिल्ली, बंबई, कलकत्ता और कर्नाटक समेत 6 अलग-अलग हाई कोर्ट में न्यायाधीश पद के लिए कई अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की सिफारिश की। देश के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कॉलेजियम ने तीन अधिवक्ताओं आरती अरुण साठे, अजीत भगवानराव कडेठांकर और सुशील मनोहर घोडेस्वर का नाम बॉम्बे हाई कोर्ट में जज के लिए नामांकित किया है लेकिन आरती अरुण साठे

के नाम पर विवाद उठ खड़ा हुआ है।

महाराष्ट्र में विपक्षी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक और पार्टी सचिव रोहित पवार ने मंगलवार को साठे के नाम की सिफारिश पर सवाल उठाया है और कहा है कि न्यायपालिका स्वतंत्र और निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने एक्स पर एक स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किया जिसमें बताया गया कि साठे सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़ी थीं और पार्टी की प्रवक्ता थीं।

कौन हैं आरती अरुण साठे:

बॉम्बे हाई कोर्ट की अधिवक्ता आरती अरुण साठे मुंबई भाजपा विधि प्रकोष्ठ की प्रमुख थीं, उन्हें फरवरी 2023 में महाराष्ट्र भाजपा का प्रवक्ता नियुक्त किया गया था। हालांकि, साठे ने करीब साल भर बाद ही जनवरी 2024 में व्यक्तिगत और व्यावसायिक कारणों का हवाला देते हुए इस पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने 6 जनवरी, 2024 को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और मुंबई भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रमुख पद से भी इस्तीफा दे दिया। साठे के पास वकील के रूप में 20 से ज्यादा सालों का कार्य अनुभव है। वह मुख्य रूप से प्रत्यक्ष कर मामलों की विशेषज्ञ हैं। वह टैक्स विवादों, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) और सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) के समक्ष मामलों के साथ-साथ बॉम्बे हाई कोर्ट के समक्ष वैवाहिक विवादों की मुख्य पैरवीकार रही हैं। संयोग से, साठे के पिता अरुण साठे भी एक जाने-माने वकील हैं। वे आरएसएस और भाजपा से जुड़े रहे हैं।

पहले उदयनिधि अब कमल हासन सनातन पर बयान से भड़की भाजपा

चेन्नई, एजेंसी। अभिनेता कमल हासन की सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणियों से विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने हासन की फिल्मों का बहिष्कार करने की अपील की है। साथ ही तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की तरफ से 2023 में दिए गए बयान का भी जिक्र किया, जिसमें सनातन धर्म की तुलना डेंगू से की गई थी। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान हासन ने सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दे दिया था। तमिलनाडु भाजपा के पदाधिकारी अमर प्रसाद रेड्डी ने एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा, पहले उदयनिधि स्टालिन थे। अब कमल है, जो सनातन धर्म को खत्म करना चाहते हैं। उन्हें सबक सिखाते हैं। उन्होंने कहा, मैं हर हिंदू से अपील करता हूं कि कमल की फिल्में ना देंगे, ओटीटी पर भी नहीं। अगर हम ऐसा करेंगे, तो ये ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयान नहीं देंगे, जिससे लाखों हिन्दुओं की दुख होता है। मक्कल निधि मय्यम पार्टी के प्रमुख और राज्यसभा सदस्य हासन ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि हृध्वध्वज ने बहुत से बच्चों को चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच से वंचित कर दिया है और परीक्षा के इस नियम को बदलने की शक्ति केवल शिक्षा से ही आ सकती है। हासन प्रसिद्ध तमिल अभिनेता सूर्या के अगरम फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। हासन ने कहा कि नीट परीक्षा के खिलाफ इस युद्ध में, अगरम फाउंडेशन भी कुछ नहीं कर सकता और केवल शिक्षा ही बिना किसी अन्य हथियार के राष्ट्र को आकार दे सकती है।

पशु साला के मलबे में दबाकर कई पशु घायल, उपचार जारी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। लगातार हो रही वर्षा के कारण गांव जलालपुर तुर्क में ब्रजपाल सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह की पशुशाला भरभराकर गिर गई। जिसके मलवे में दबकर चार पशु घायल हो गए। ग्रामीणों ने मलवा हटाकर पशुओं को निकाला। सूचना पर पहुंची पशु स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पशुओं का उपचार किया। पशुचिकित्साधिकारी डॉ.अनुराग चौधरी ने बताया कि पशुशाला गिरने से किसान की दो गाय, एक भैंस व एक भैंसा घायल हो गया है। सभी का उपचार किया गया है।

लगातार हो रही वर्षा के कारण मनोज कुमार का मकान गिरा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। लगातार हो रही वर्षा के कारण गांव तुराबनगर निवासी मनोज कुमार पुत्र बाबूराम सिंह का मकान भरभराकर गिर गया। जिसके मलवे में दबकर मनोज (45), उसकी भाभी विनोद (48), पुत्र सत्यम (6) तथा गांव जमापुर निवासी रिश्तेदार पियूष (9) वर्ष घायल हो गए। वहीं मलवे में दबकर घर में रखा सामान खराब हो गया। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। लेखपाल ब्रह्म कुमार रवि ने बताया कि मकान पर टीनशैड पडी थी। कुछ लोगों को चोटें आई हैं। किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है।

तटबंध के ओवर टॉप होने के कारण मालन नदी का पानी कई गांव में भरा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि यूसुफपुर बखर तटबंध के ओवर टॉप होने के कारण मालन नदी का पानी कई गांव जिनमें ग्राम धारूवाला, खजानपुर खादर, काजी वाला, नसरूल्लापुर हफीज, मधुसुदनपुर मसीद, बाकरपुर गढ़ी तथा रावली आदि ग्राम शामिल हैं, में पानी आ गया था, जिसकी वजह से उक्त गांव में जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। उन्होंने बताया कि उनके निर्देशों के अनुपालन में यूसुफपुर बखर तटबंध पर अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड अफजलगढ़ द्वारा युद्ध श्तर मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही उक्त ग्रामों में जल भराव की समस्या का निदान हो जाएगा।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷। क्षेत्र के ग्राम कुम्हार पुरा निवासी अनिल कुमार का युवा पुत्र प्रियांशु 18 वर्ष का शव उसके कमरे में लटका हुआ मिला जिसे देख कर परिजनों के होश उड़ गए प्रियांशु रोजाना की तरह अपने कमरे में सोने गया था बुधवार की सुबह उसके ना उठने पर परिजनों ने देखा कि प्रियांशु का शव उसके कमरे में लटका हुआ है। जिसे देख परिजनों ने प्रियांशु के शव को नीचे उतारा और घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर पुलिस के न आने पर परिजन सैकड़ों ग्रामीणों के साथ थाने पहुंचे और हत्या की आशंका जताते हुए कार्यवाही की मांग की आनन फानन में थानाध्यक्ष राजेश कुमार बैंसला पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल पहुंचाया परिजनों को आश्वासन दिया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

जननायक एक्सप्रेस से उठा धुंआ और चिंगारी

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। बीती शाम नजीबाबाद से मुरादाबाद जा रही जननायक एक्सप्रेस में अचानक चिंगारी और धुआं उठने से यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। यह घटना नगीना और धामपुर रेलवे स्टेशन के बीच हुई। ट्रेन का धामपुर में कोई स्टॉपेज नहीं था, लेकिन शाम के समय ट्रेन को स्टेशन से पहले ही इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकना पड़ा। यात्रियों के अनुसार, ट्रेन के एक कोच से अचानक चिंगारी और धुआं निकलने लगा। इससे यात्रियों में भगदड़ मच गई। घबराहट में कुछ यात्री कोच से बाहर भी कूद गए। सूचना मिलते ही रेलवे की तकनीकी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। लगभग आधे घंटे की जांच और मरम्मत के बाद ट्रेन को दोबारा रवाना किया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह एक तकनीकी खराबी थी और इस घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ। चालक की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। रेलवे प्रशासन अब पूरे मामले की जांच कर रहा है। इस घटना के बाद यात्रियों ने रेल यात्रा की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है।

चांदपुर में सड़क किनारे बैठे मिले दो तेंदुए, कार चालकों ने बनाया वीडियो, वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। तेंदुआ का आतंक जारी है। इलाके में तेंदुओं की बढ़ती संख्या से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पहले जंगलों में देखने वाली यह प्रजाति अब आम तौर पर आबादी वाले क्षेत्रों में दिखाई दे रही हैं। कहीं तो एक कहीं दो से चार तेंदुए एक साथ परिवार की तरह घूम रहे हैं । एक हफ्ते पहले गांव हीमपुर बुजुर्ग इलाके में तीन से चार तेंदुओं को एक साथ देखे जाने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया था। इससे पहले गांव रुपपुर इलाके में चार तेंदुओं का परिवार दिखाई दिया था। अब दो तेंदुओं का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक बड़ा तेंदुआ सड़क पर दिखाई दे रहा है। दूसरा तेंदुआ खेत के किनारे बैठा हुआ है। वीडियो कार में बैठे कुछ चालकों ने बनाया है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि यह मसीत इलाके का दृश्य है। देखने से प्रतीत होता है कि खेत में बैठा तेंदुआ शावक है और बाहर घूमता तेंदुआ मादा है। तेंदुओं के दिखाई देने से एक बार फिर लोगों में भय फैल गया है। स्थानीय निवासियों ने वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग की है।

पुलिस मुठभेड़, दो शातिर बदमाश गिरफ्तार, चोरी की बाइक और मोबाइल बरामद

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में मंगलवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो शातिर अपराधी घायल हो गए। ये दोनों बदमाश बाइक चेकिंग के दौरान पुलिस से बचने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन घेराबंदी में फंसकर उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैरों में गोलियां लगीं, जिन्हें बाद में अस्पताल भेजा गया। घटना 5 अगश्त 2025 की रात करीब 11:20 बजे की है। उपनिरीक्षक अंकित के नेतृत्व में जल प्लांट अंडरपास के पास सघन चेकिंग की जा रही थी, तभी एक काली अपाचे बाइक पर दो संदिग्ध युवकों को आते देख उन्हें रुकने का इशारा किया गया।

लेकिन उन्होंने रुकने की बजाय रिछपाल गढ़ी पुलिया की ओर भागने की कोशिश की। फौरन दूसरे चेकिंग पॉइंट को अलर्ट किया गया और दोनों टीमों ने बदमाशों को घेर लिया। खुद को घिरा देखकर आरोपियों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए।

गिरफ्तार बदमाशों की पहचान सनी, निवासी हापुड़ (10 मुकदमे दर्ज),देवेश, निवासी क्रॉसिंग रिपब्लिक, गाजियाबाद (7 मुकदमे दर्ज) के रूप में हुई। कब्जे से 1 चोरी की अपाचे बाइक (कविनगर से चोरी),7 छीने गए मोबाइल फोन (गाजियाबाद व एनसीआर क्षेत्र से) ,2 अवैध तमंचे,1 जिंदा कारतूस, 2 खोखा कारतूस बरामद किए है।

घायलों को सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

लगातार हो रही वर्षा से मकान का लिंटर गिरने से दो घायल

✷ एनसीआर टुडे. रायपुर सादात ✷

लगातार हो रही बारिश से लेंटर गिरने से दो लोग गंभीर रूप से घायल मौके पर पहुंचे हल्का लेखपाल व नगीना देहात पुलिस ने दोनों घायलों को बिजनौर जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा।

नगीना तहसील के ग्राम अब्बुल फजलपुर बनी मैं सुबह तड़के लगभग 4:00 बजे भोपाल पुत्र कालू व पत्नी गीता अपने मकान में सोए हुए थे।

चार दिन से हो रही भारी बारिश के कारण भोपाल का पूरा मकान ढेह गया मकान के मलबे में दबे पति-पत्नी को गांव वालों की मदद से निकाल कर गंभीर हालत देखते हुए दोनों को एंबुलेंस से बिजनौर जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गांव वालों के अनुसार भोपाल व पत्नी की हालत नाजुक बनी हुई है।

सूचना पर पहुंचे हल्का लेखपाल मोहित कुमार व थाना नगीना देहात पुलिस ने मौके का जायजा किया और हल्का लेखपाल ने तत्कालीन प्राकृतिक आपदा से भोपाल को 65000 का मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया फोन पर बात करने पर सहायक लेखपाल सुनील कुमार ने बताया कि मकान के पूरे नुकसान बजट बनाकर प्रशासन की ओर से भोपाल को मुआवजा दिलाया जाएगा

मकान की छत गिरने से गृह स्वामी की मौत, उपचार के लिए हायर सेंटर जाते हुए रास्ते में मौत

राजस्व विभाग की टीम ने मौका मुआयना किया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

लगातार हो रही बारिश से एक कच्ची छत का गिर गयी। जिसमें एक व्यक्ति दबकर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए एम्स ले जाते समय राश्ते में मौत हो गयी। नहटौर के मोहल्ला नई आबादी निवासी अय्याज़ पुत्र शहाबुद्दीन अंसारी 60 वर्ष अपने कच्चे मकान में आराम कर रहा था।

बारिश के कारण उसके कच्चे मकान की छत भर भराकर गिर गयी। जिससे अयाज उसके नीचे दब गया। छत गिरने की आवाज सुनकर घर व मौहल्ले के लोगों ने आनन फानन में मिट्टी को हटाकर उसे बाहर निकाला।

अयाज को गंभीर अवस्था मे निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। बताया जाता है वहां पर भी हालत में सुधार न होने पर उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश ले जाया जा रहा था।

राश्ते में ही अयाज की मौत हो गई। अयाज की मौत होने से परिजनों में

कोहराम मच गया। राजस्व विभाग की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया।

टीम ने बताया कि नियमानुसार मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाया जाएगा। बुधवार को जोहर की नमाज़ के बाद गमगीन माहौल में मृत्तक का दफीना कर दिया गया है।

गंगा नदी का जल स्तर बढ़ने से पानी का बांध टूटा, डीएम ने किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गागन नदी का जलश्तर बढ़ने पर तटबंध में पानी रिसवा की सूचना पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बुधवार की शाम करीब 4:30 बजे पहुंच कर निरीक्षण किया। और संबंधित अधिकारी को दिशा निर्देश दिए।

लगातार क्षेत्र में हो रही वर्षा के चलते गंगा नदी का जलश्तर बढ़ने पर बुधवार को गंगान नदी के निकट स्थित तटबंध पर पानी रिसाब होने की सुचना मिलने पर सिंचाई विभाग में हड़कंप मच गया। सिंचाई विभाग के नासिर हुसैन ने अपनी टीम के साथ पहुंचकर हो रहे रिसाव को तत्काल प्रभाव से उसे रोकने के लिए कार्य शुरू कर दिया।

शाम के समय तहसील के दौरे पर निकले जिला अधिकारी बिजनौर जसजीत कौर गंगान नदी के पुल पर रुकी सिंचाई विभाग के अधिकारियों को तटबंद पर किसी भी तरह का रिसाब नहीं होना चाहिए। पुख्ता इंतजाम करने के दिशा निर्देश दिए।

गागन नंदी के बढ़ते हुए जल श्तर का जायजा लेकर संबंधित अधिकारी व लेखपालों को आवश्यक निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी धामपुर रितु रानी सिंचाई विभाग के है नासिर हुसैन अधिशासी अधिकारी ओमगिरि गगनदीप क्षेत्रपाल आदि कर्मचारी मौजूद रहे जिला अधिकारी का काफिला धामपुर के लिए रवाना हो गया।

सीएचसी में जलभराव, नचना नदी का पानी घरों-दुकानों में घुसा, सुरक्षित स्थानों पर भेजा सामान

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से नचना नदी का जलश्तर बढ़ गया है। इससे बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

मंगलवार की देर रात लगभग 12 बजकर 45 मिनट पर भी अफजलगढ़ में तेज बारिश जारी थी। नचना नदी का पानी उफान पर आने से अफजलगढ़ के रिहायशी इलाकों और बाजारों में घुस गया है। इससे लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर गया है। स्थानीय लोग इस स्थिति से काफी परेशान हैं। देर रात सीएचसी अफजलगढ़ में भी पानी घुस गया। अनुमान है कि इससे लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

सीएचसी में पानी भरने से स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। मंगलवार रात साढ़े ग्यारह बजे के करीब कुछ दुकानदार अपनी दुकानों के आसपास खड़े होकर एक तरफ तेज बारिश को देख रहे थे। दूसरी ओर वे नचना नदी से सटी मेन मार्किट में बढ़ते पानी के बहाव को निहार रहे थे। तेज बारिश और बढ़ते पानी को देखकर कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानों से सामान निकालकर दूसरे सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है।

SHO के खिलाफ महिला पत्रकार का गंभीर आरोप, डीएम से न्याय की गुहार, CO धामपुर को जांच कर कार्यवाही के हुए आदेश

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना स्योहारा के प्रभारी निरीक्षक पर अभद्रता, मानहानि और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं।

महिला पत्रकार एवं राष्ट्रीय हिंदी दैनिक आज का दहकता सूरज की मीडिया विज्ञापन इंचार्ज किश्वर जहाँ ने जिला अधिकारी बिजनौर को दिए गए प्रार्थना पत्र में SHO स्योहारा के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि किश्वर जहाँ एक सम्मानित पत्रकार और समाजसेवी के रूप में क्षेत्र में अपनी पहचान रखती हैं।

बावजूद इसके, SHO स्योहारा ने उनके विरुद्ध बिना किसी साक्ष्य और बिना उचित प्रक्रिया के फर्जी शिकायती पत्रों का सहारा लेकर उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया।

पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि ऑनलाइन माध्यम से जान से मारने की धमकी दी जा रही है और परिवार को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है।

किश्वर जहाँ का कहना है कि SHO स्योहारा मामले का संज्ञान लेकर भी कोई कार्यवाही नही कर रहे है। यह हरकत न केवल उनकी व्यक्तिगत गरिमा का हनन है, बल्कि पत्रकारिता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है।

गौरतलब है कि SHO स्योहारा पर इससे पहले भी वकीलों, ग्राम प्रधानों और दिव्यांग व्यक्तियों के साथ अभद्र व्यवहार करने के आरोप लग चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

पत्रकार समाज और स्थानीय लोग इस मामले में उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और SHO स्योहारा के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

किसान की करंट से मौत, खेत में पानी निकालते समय चपेट में आया

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। काशी वाला के 34 वर्षीय दीप सिंह अपने खेत पर काम कर रहे थे इस दौरान वह करंट की चपेट में आ गए।

दीप सिंह रोजाना की तरह खाना खाकर अपने घर से लगभग 500 मीटर दूर खेत पर गए थे। भारी बारिश के कारण खेत में पानी भर गया था।

पानी निकालने के लिए वह मेड काट रहे थे। इसी दौरान खेत में विद्युत पोल पर रखे ट्रांसफार्मर से पानी में करंट उतर गया। दीप सिंह इस करंट की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

जब वह देर तक घर नहीं लौटे तो परिवार के लोगों ने उन्हें फोन किया। कॉल रिसीव न होने पर चिंतित परिजन खेत पर पहुंचे। वहां उन्होंने दीप सिंह को मृत अवस्था में पाया। उनका शरीर पूरी तरह नीला पड़ चुका था।

परिजन बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव को घर ले गए और अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी और तीन मासूम बच्चों को छोड़ गया है। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

ग्राम निजातपुर के प्रधान हाजी मो फारूक ने तालाब के सौंदर्यीकरण के प्रयास किए

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

तालाबों का सौंदर्यीकरण न केवल उन्हें देखने में सुंदर बनाता है, बल्कि यह पर्यावरण और समुदाय के लिए भी फायदेमंद है। यह जल संरक्षण,, और लोगों को स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण प्रदान करने में मदद करता है।

ग्राम निजातपुर में वर्षों से तालाब गंदगी और गांव के कचरे, कूड़े, पन्नी और गांव के घरों से निकले अपशिष्ट पदार्थों से सड़ रहा था यहां तक कि तालब के आस पास की गंदी बदबू से लोगों को निकलना और जाना दु भर हो रहा था।

इस समस्या से निजात दिलाने के लिए ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान ने संकल्प लिया और लगातार साफ सफाई अभियान चलाए और जेसीबी की मदद मनरेगा मजदूर और बेरोजगार लोगों को मजदूरी देकर तालाब की साफ सफाई करवाई इसके निरंतर प्रयास से आज 4 वर्ष की मेहनत से आज ग्राम पंचायत निजातपुर का तालाब सुंदरता की की मिसाल बन गया है। उपरोक्त राश्ता व तालाब का वर्तमान स्वरूप देखते ही बनता है जिस की ग्राम

वासियों ने व आस पास के आवागमन करने वाले गांव वालों ने प्रधान निजात पुर के इस करायें गये कार्य की भूरि भूरि तारीफ करते थक नहीं रहे हैं।

आज से पहले पुराने प्रधानों ने गांव का कूड़ा निश्तारण का कोई विशेष अभियान नहीं चलाए जिस वजह से गांव के लोगों ने तालाब को ही कूड़ा घर बना दिया और यहां वर्षों से कूड़ा डाला गया लोगों द्वारा क्योंकि कोई जागरूकता अभियान की कमी रही होगी।

मगर वर्तमान ग्राम प्रधान ने इस बात को बहुत सीरियस लिया और इस विषय लेकर गांव में मुनादी के माध्यम से घर घर जाकर लोगों से अनुरोध किया साफ सफाई और कूड़ा तालाब में न डाले और इसके लिए अलग अलग स्थानों पर डस्टबिन सीमेंटेड बनाए ओर लोगों को वहां कूड़ा डालने के लिए प्रेरित किया इसके लिए वर्षों की मेहनत लगी और कोशिश रंग लाई

इसके अलावा ग्राम प्रधान ने पंचायत घर के पास भी सीसी रोड का निर्माण करवाया जिसे साफ सफाई के दृष्टि से की कोई गंदगी कूड़ा भविष्य में तालाब में कूड़ा करकट न डाल सके।

इसके लिए विशेष कर तालाब के चारों तरफ 14 इंची दीवार व 6 फिट का निर्माण करवाया जिसे शाम के वक्त बच्चे बड़े यहां बैठ कर साफ स्वच्छ हवा और तालाब की सुंदरता देख के खाली ओर सुकून नुमा समय व्यतीत कर सके इसके लिए गांव के समश्त समुदाय वर्ग ने ग्राम प्रधान निजातपुर हाजी मो फारूक को हृदय की गहराई से धन्यवाद किया।

एनएच पर ट्रैक्टर से स्टंट करना पड़ा महंगा, 5 हजार का चालान

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक युवक द्वारा किया गया ट्रैक्टर स्टंट उसके लिए महंगा साबित हुआ। युवक ने टोल प्लाजा के पास ट्रैक्टर को गोल-गोल घुमाकर स्टंट किया और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद नगीना पुलिस तुरंत हरकत में आई।

जांच में पाया गया कि स्टंट करने वाला युवक हरगांव चांदन का रहने वाला सुशील कुमार है। पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत सुशील के खिलाफ 5,000 रुपए का ऑनलाइन चालान काट दिया। नगीना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक तेजपाल सिंह ने इस कार्रवाई की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वाहन चालक को भविष्य में ऐसी हरकत न दोहराने की चेतावनी भी दी गई है।

सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सार्वजनिक सड़कों पर इस प्रकार के स्टंट न केवल स्टंट करने वाले के लिए बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी खतरनाक होते हैं। पुलिस का कहना है कि वे सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले ऐसे सभी वीडियो पर नजर रख रही है और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जल्दी अमीर बनने की चाहत में युवक बना नकली नोटों का तस्कर, पुलिस ने दबोचा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जल्दी अमीर बनने की चाहत में एक युवक ने ऐसा राश्ता चुना, जिसने उसे सीधे अपराध की दुनिया में पहुँचा दिया। इंदिरापुरम पुलिस ने मंगलवार शाम नकली नोटों की तस्करी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया और उसके पास से 500 के कुल 566 नकली नोट, यानी 2,83,000 की जाली करेंसी बरामद की।

सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान उज्ज्वल झा, निवासी मंडोली, हर्ष विहार, दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपी वसुंधरा सेक्टर-1 स्थित साहिबाबाद रेलवे अंडरपास के पास संदिग्ध हालात में घूम रहा था। पुलिस ने जब तलाशी ली, तो उसके पास नकली नोट मिले।

फेसबुक से जुड़ा था नकली नोटों के नेटवर्क से पूछताछ में उज्ज्वल ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि सोशल मीडिया पर फेसबुक के जरिए उसकी मुलाकात एक अज्ञात व्यक्ति से हुई थी। पहले दोनों ने मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान किया, फिर सौदा तय हुआ। उज्ज्वल ने आरोपी को 1 लाख असली नोट दिए और बदले में 3 लाख के नकली नोट लिए।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अब तक लगभग 17,000 के नकली नोट दिल्ली-एनसीआर में चला चुका है। इससे पहले उसने 10,000 असली देकर 30,000 के नकली नोट लिए थे, जिन्हें उसने दिल्ली और गाजियाबाद के बाजारों में खपाया।

फार्मेसी कंपनी में करता था काम

पुलिस के अनुसार उज्ज्वल झा एक फार्मेसी कंपनी में कर्मचारी है और उसने अतिरिक्त कमाई की लालच में नकली नोटों के धंधे में कदम रखा। वह दिल्ली-एनसीआर में इन जाली नोटों को छोटी-छोटी खरीदारी के जरिए चलाता था, ताकि शक न हो।

पुलिस जुटी नेटवर्क खंगालने में

सीओ अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि नकली नोट सप्लाई करने वाले अज्ञात व्यक्ति की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगी हैं।

आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुँचने की कोशिश कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि नकली नोटों से बचने के लिए बड़े मूल्यवर्ग के नोट लेते समय सुरक्षा फीचर्स जरूर जांचें और संदिग्ध मामलों की तुरंत पुलिस को सूचना दें।

दिल्ली पुलिस के दरोगा पर तीन साल की बच्ची के साथ डिजिटल रेप का आरोप, गाजियाबाद में केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली पुलिस की एक महिला हेड कांस्टेबल ने दिल्ली पुलिस के ही एक दरोगा पर अपनी तीन साल की मासूम बेटी के साथ डिजिटल रेप करने का गंभीर आरोप लगाया है।

नंदग्राम थाने में आरोपी दरोगा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और साक्ष्यों व पीड़िता के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नंदग्राम थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला हेड कांस्टेबल अपने पति से अलग रहती हैं। उन्होंने बताया कि गोविंदपुरम निवासी आरोपी दरोगा से उनकी पुरानी पहचान थी, जिसके चलते उसका उनके घर आना-जाना था।

आरोप है कि तीन दिन पहले दरोगा ने उनके घर में उनकी तीन साल की बेटी को अकेला पाकर उसके साथ न केवल अश्लील हरकत की, बल्कि डिजिटल रेप भी किया। बच्ची द्वारा मां को घटना की जानकारी देने के बाद महिला ने आरोपी दरोगा से शिकायत की, लेकिन उसने उन्हें धमकाने की कोशिश की।

इसके बाद महिला ने नंदग्राम थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया। सीओ नंदग्राम पूनम मिश्रा ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी दरोगा के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है, और साक्ष्यों व पीड़िता के बयानों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सपा विधायक ने रोडवेज बस स्टैंड का औचक निरीक्षण किया

नगीना सपा विधायक पूर्व मंत्री उ० प्र० सरकार मनोज पारस ने परिवहन विभाग के जेई, एवं ठेकेदार को बुलाकर नगीना रोडवेज बस स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण करने पर कुछ कार्यों में त्रुटियां पाई गई जिस पर सपा विधायक ने नाराजगी जताते हुए उन कार्यों को सही करने एवं रोडवेज बस स्टेशन का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के लिए जेई को सख्त निर्देश दिए।

संपादकीय

दो जुझारू नेताओं का निधन

भारतीय राजनीति से दो दिनों में दो कद्दावर नेताओं का निधन बड़ी शून्यता कायम कर गया है। 4 अगश्त को शिबू सोरेन का निधन हुआ और 5 अगश्त को सत्यपाल मलिक का। श्री सोरेन और श्री मलिक दोनों की राजनीति के तौर-तरीके अलग थे, दल अलग थे, विचारधारा अलग थी। लेकिन मिज़ाज दोनों का एक ही तरह का था, जुझारू, अक्खड़पना, जमीन से जुड़ाव और गांधी की भाषा में कहें तो अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की फिक्र दोनों नेताओं की राजनीति के केंद्र में रही। शिबू सोरेन आदिवासियों के बड़े नेता थे, उन्हें झारखंड के लोग केवल दिशोम गुरु (समाज का गुरु) ही नहीं कहते हैं, बल्कि भगवान की तरह मानते हैं। सत्यपाल मलिक का जनाधार बेशक शिबू सोरेन की तरह नहीं रहा, लेकिन उन्होंने भी गरीब, वंचित पीड़ित लोगों के हितों को तरजीह दी। शिबू सोरेन और सत्यपाल मलिक में सबसे बड़ी समानता यह रही कि सत्ता के साथ रहते हुए जी हुजूरी नहीं की और सत्ता के खिलाफ रहे तो खौफ नहीं खाया।

साल 1944 में अविभाजित बिहार के हजारीबाग में जन्मे शिबू सोरेन के संघर्ष की शुरुआत अल्पायु में ही हो गई थी। उनके पिता सोबरन सोरेन की हत्या कर दी गई, क्योंकि उन्होंने आदिवासी इलाकों में फैले महाजनों के आतंक के खिलाफ आवाज़ उठाई थी। पिता के संघर्ष को आगे बढ़ाते हुए शिबू सोरेन ने भी महाजनी प्रथा के खिलाफ़ आवाज़ उठाई और धान कटनी आंदोलन चलाया। उन्होंने आदिवासियों को जागरूक किया कि धान लगाने वाला ही धान काटेगा और इस पर महाजनों का कोई अधिकार नहीं है। 70 से 80 के दशक में ये आंदोलन बहुत बड़ा हो गया, इसने झारखंड के किसानों, कामगारों और काश्तकारों को एकजुट किया, आदिवासियों को शोषण के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत दिलाई। इसी वजह से शिबू सोरेन को झारखंड के लोगों ने दिशोम गुरु की उपाधि दी। कई सालों तक शिबू सोरेन ने आदिवासियों के लिए रात्रि पाठशाला चलाई ताकि दिन भर अपना-अपना काम निपटाने के बाद आदिवासी पढ़ पाएं। शिक्षा के अलावा शराब और नशे से आदिवासियों को दूर करने की कोशिश भी शिबू सोरेन ने की। 1980 में पहली बार सांसद बनने के बाद जब उन्होंने संसद में भाषण दिया तो शराब के विरोध में बोले।

शिबू सोरेन ने सामाजिक सुधार के साथ 1973 में राजनीति में कदम रखा, विनोद महतो और कामरेड एके राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। अविभाजित बिहार में प्राकृतिक संसाधनों का खजाना लिए दक्षिण के 26 जिलों को मिलाकर एक झारखंड राज्य बने, ऐसी कल्पना उन्होंने की। लंबे संघर्ष और राजनैतिक उठापटक के बाद आखिरकार 2000 में झारखंड राज्य बना, साथ में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी बने।

हालांकि झारखंड निर्माण के बाद कई बार राजनैतिक अस्थिरता बनी। इस दौरान शिबू सोरेन कभी लोकसभा, कभी राज्यसभा, कभी विधानसभा के सदस्य बनते रहे। विभिन्न दलों के साथ उनके वैचारिक, सैद्धांतिक टकराव हुए। दिल्ली की सत्ता पर बैठे लोगों के साथ उन्होंने समझौते भी किए, लेकिन इन सबके बीच आदिवासियों के हितों के उद्देश्य से गुरुजी एक बार भी नहीं भटके। आठ बार लोकसभा सांसद, दो बार राज्यसभा सांसद, दो बार विधायक बनने वाले शिबू सोरेन ने केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री जैसे पद संभाले, हालांकि कई तरह के मामले-मुकदमों और राजनैतिक उठापटक में वे अपना कार्यकाल कभी पूरा नहीं कर पाए। आज जब सत्ता पर किसी भी तरह बैठना ही कई नेताओं का अंतिम लक्ष्य बन गया है, तब शिबू सोरेन जैसे नेताओं के जीवन को याद करना चाहिए, जिन्होंने सत्ता से पहले नागरिकों का ख्याल रखा। सत्यपाल मलिक का भी राजनीतिक जीवन पांच दशक लंबा रहा। 1968-1969 में छात्र राजनीति से शुरुआत करते हुए श्री मलिक किसान नेता चौधरी चरण सिंह के करीब आए और 1974 में चुनावी राजनीति में उतरे।

बागपत से विधानसभा का चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने। इसके बाद वे चौधरी चरण सिंह के साथ ही लोक दल में शामिल हो गए, उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया। सत्यपाल मलिक 1980 में लोक दल की ओर से ही राज्यसभा पहुंचे। 1984 में वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 1986 में एक बार फिर राज्यसभा पहुंचाया। बोफोर्स मामला उठने के बाद श्री मलिक वी पी सिंह के नेतृत्व वाले जनता दल में शामिल हुए, 1989 में सांसद बने और केन्द्रीय राज्य मंत्री भी। इसके बाद 2004 में सत्यपाल मलिक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। राजनीतिक उथल-पुथल, सत्ता के खेल इन सबको श्री मलिक ने करीब से देखा, कई बार उनमें प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर शामिल हुए। जिस पार्टी के साथ रहे, उससे मतभेद भी हुआ। लेकिन भाजपा में नरेन्द्र मोदी का शासनकाल शुरु होने पर जिस तरह उनके मतभेद सामने आए, वे सर्वाधिक चर्चित हुए। पुलवामा हमले पर मोदी सरकार ने उन्होंने जो हमला बोला, उसकी काफी चर्चा हुई। यहां बताना जरूरी है कि देशबन्धु के यूट्यूब चैनल डीबीलाइव पर ही सबसे पहले श्री मलिक ने पुलवामा को लेकर नए खुलासे किए थे। इसके ठीक बाद द वायर के लिए करण थापर ने उनसे इसी आधार पर इंटरव्यू लिया, हालांकि श्री थापर ने इसके लिए डीबीलाइव को श्रेय नहीं दिया।

बहरहाल, सत्यपाल मलिक ने खुलासा किया था कि उन्होंने सरकार से कहा था कि जवानों को हवाई मार्ग से भेजा जाना चाहिए, लेकिन उनकी सलाह नहीं मानी गई। इसके अलावा उन्होंने सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए। इससे पहले किसान आंदोलन, महिला पहलवानों का जंतर-मंतर पर धरना, अग्निवीर पर फैसला, भूमि अधिग्रहण विधेयक इन सब पर उन्होंने मोदी सरकार की मुखालफत की। मेघालय, गोवा, बिहार, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहते हुए भी श्री मलिक ने कभी सत्ता की जी हुजूरी नहीं की, बल्कि जो गलत लगा, खुलकर उसके खिलाफ आवाज उठाई।

अपने अंतिम दिनों में भी सत्यपाल मलिक का संघर्ष जारी रहा। उन पर सीबीआई की जांच सरकार ने बिठाई थी। जिस पर अस्पताल से लिखी एक पोस्ट में सत्यपाल मलिक ने लिखा- मैं सरकार को और सरकारी एजेंसियों को बताना चाहता हूं कि मैं किसान कौम से हूं, मैं ना तो डरने वाला हूं ओर ना ही झूकने वाला हूं। सरकार ने मुझे बदनाम करने में पूरी ताकत लगा दी, हालांकि सच्चाई तो यह है कि 50 साल से अधिक लंबे राजनीतिक जीवन में बहुत बड़े-बड़े पदों पर देशसेवा करने का मौका मिलने के बाद आज़ भी मैं एक कमरे के मकान में रह रहा हूं ओर कर्ज में भी हूं। अगर आज मेरे पास धन दौलत होती तो मैं प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज करवाता।

सवाल जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता का?

निर्मल रानी

पिछले कुछ दिनों के भीतर विभिन्न न्यायालयों द्वारा कई बहुचर्चित व हाई प्रोफ़ाईल मामलों से संबंधित कई ऐसे फ़ैसले सुनाये गये जिससे एक बार फिर जांच एजेंसियों की 'कारगुज़ारियों' पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल भी दो तरह के। एक तो यह कि यदि सम्बद्ध मामले में अदालत के अनुसार आरोपी बेगुनाह थे तो आख़रि अपराध करने वाले कौन थे?

उन्हें सामने लाने की ज़म्मिदारी आख़रि किस एजेंसी की है? और दूसरा बड़ा सवाल यह कि लंबे समय तक जेल में रहने, कथित रूप से प्रताड़ना सहने, पूरे समाज में अपनी व अपने परिवार की बदनामी उठाने, इतने वर्षों तक अपने काम काज से मुक्त होकर जांच व जेल का सामने करने गोया आरोपियों का पूरा जीवन बर्बाद होने की भरपाई कैसे हो और कौन करेगा इसकी भरपाई?

गत 21 जुलाई को बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले से संबंधित मामले में 19 साल बाद, ऐतिहासिक फ़ैसला सुनाया। इस फ़ैसले में 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। जबकि कमाल अहमद अंसारी नाम के एक आरोपी की 2021 में कोरोना के चलते जेल में ही मृत्यु हो चुकी थी।

ग़ौरतलब है कि 11 जुलाई 2006 को मुंबई की लोकल ट्रेनों में केवल 11 मिनट के भीतर सात स्थानों पर सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 189 बेगुनाह लोग मारे गए थे तथा 800 से अधिक घायल हुए थे। यह बम धमाका मुंबई की उन लोकल ट्रेन्स को लक्षित करके किया गया था, जिसमें रोज़ाना लाखों यात्री सफ़र करते हैं।

इसी तरह का दूसरा फ़ैसला गत 31 जुलाई 2025 को मुंबई की विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी एन आई ए की अदालत ने सुनाया। यह मामला 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में हुए बम धमाके से संबंधित था। मालेगांव बम विस्फ़ोट मामले में 17 साल बाद सुनाये गये इस फ़ैसले में भी अदालत ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। मुस्लिम बहुल इलाक़े में हुये इस मोटरसाइकिल बम विस्फ़ोट में फ़रहीन उर्फ़ शगुफ्ता शेख़ लियाक़त, शेख़ मुश्ताक़ यूसुफ़, शेख़ रफ़ीक़ मुश्तफ़ा, इरफ़ान ज़ियाउल्लाह ख़ान, सैयद अज़हर सैयद निसार, और हारून शाह मोहम्मद शाह जैसे 6 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे।

29 सितंबर 2008 को रमज़ान के पवित्र महीने और नवरात्रि से ठीक पहले, मालेगांव के भीकू चौक पर एक मोटरसाइकिल में बम विस्फ़ोट कर इस घटना को अंजाम दिया गया था।। इस घटना के बाद देश में व्यापक विवाद व सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया था। यही वह घटना थी जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ़्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी, और समीर कुलकर्णी जैसे लोगों पर ग़ैर क़ानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), भारतीय दंड संहिता (IPC), और विस्फ़ोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे।

अभियोजन पक्ष ने यह दावा किया था कि जिस मोटरसाइकिल में विस्फ़ोटक लगाकर उड़ाया गया था वह प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर थी जबकि कर्नल पुरोहित ने विस्फ़ोटक सामग्री यानी आर डी एक्स उपलब्ध कराई थी। उस समय ए टी एस ने यह दावा भी किया था कि यह हमला दक्षिणपंथी संगठन 'अभिनव भारत' की साज़िश के तहत किया गया था।

इसी तरह एक और बहुचर्चित मामला दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन से जुड़ा है। गत 4 अगश्त 2025 को दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के ख़िलाफ़ एक मामले में सी बी आई की क्लोज़र रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इस मामले में सत्येंद्र जैन पर लोक निर्माण विभाग में अनियमित नियुक्तियों का आरोप था। परन्तु अदालत ने पिछले दिनों इसी मामले में अपना फ़ैसला सुनाते हुये कहा कि सी बी आई को लंबी जांच के बाद भी जैन के ख़िलाफ़ कोई आपराधिक सबूत नहीं मिले। अब आरोप लग रहा है कि ई डी ने जैन के विरुद्ध बिना ठोस सबूतों के कार्रवाई की।

क्योंकि ED ने जैन के घर से नक़द या सोना बरामद होने का जो दावा किया था अदालत ने उन दावों को ही झूठा माना और ई डी को फटकार भी लगाई। इन आरोपों में अपनी संलिप्तता से पूर्व दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य, बिजली, गृह, और पी डब्लू डी जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री जैसे गरिमामयी पद पर थे।

उदाहरणार्थ उपरोक्त तीनों मामलों का ज़क्रि यहाँ इसीलिये किया जा रहा है क्योंकि यह मामले न केवल है प्रोफ़ाइल थे बल्कि इन मामलों का गहरा सम्बन्ध देश की राजनीति से भी था। मीडिया में इन सभी मामलों ने भरपूर सुर्ख़ियां बटोरी थीं और पक्षपाती मीडिया ने भी इन मामलों में अपने तरीक़े से 'मिडिया ट्रायल ' भी चलाया था। अन्यथा निश्चित रूप से ऐसे और भी फ़ैसले आये दिन होते होंगे जिनमें वर्षों तक जेल भुगतने के बाद या जेल में मौत हो जाने के बाद आरोपियों को सुबूतों, साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के चलते बरी कर दिया जाता हो। इन परिस्थितियों में कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठने लाज़मी हैं।

अदालतें यदि किसी भी आरोपी को साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के कारण बरी करती हैं तो वह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। क्योंकि हमारे देश की न्याय व्यवस्था का यह कथन है कि भले ही सौ गुनहगार रिहा हो जाएँ परन्तु किसी एक भी बेगुनाह को सज़ा नहीं होनी चाहिये। ज़ाहिर है इस कथन के तहत जांच एजेंसियों की रिपोर्ट्स का अति सूक्ष्म अध्यन व गवाहों से भरसक जिरह करना अदालत का दायित्व है।

परन्तु हम जांच एजेंसियों की दोषसिद्धि दर की भी अनदेखी नहीं कर सकते। मिसाल के तौर पर जब विपक्षी नेताओं के विरुद्ध सीबीआई और ईडी की कार्रवाई करती है तो सज़ा की दर केवल 1% होती है। जैसा कि राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया गया था। हो सकता है कि यह आंकड़ा विशेष रूप से राजनीतिक मामलों तक ही सीमित हो परन्तु इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि क्या जांच एजेंसियों की कार्रवाइयां भी पूर्वाग्रह से प्रेरित तथा सत्ता के इशारे पर की जाती हैं?

इसी तरह आतंकवाद से संबंधित मामलों में ठोस सबूत जुटाना मुश्किल होता है, क्योंकि कई बार गवाह डर के कारण सामने नहीं आते या सबूत अपर्याप्त होते हैं। तो भी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

कई बार हमारे देश में लंबी व जटिल क़ानूनी प्रक्रिया के चलते ATS द्वारा गिरफ़्तार किए गए संदिग्धों को निचली अदालतों में सज़ा मिलती है, लेकिन उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय में अपील के बाद वे बरी हो जाते हैं। कुछ मामलों में तो 9 से 23 साल बाद पर्याप्त सबूत के अभाव में लोग बरी हुए थे।

इसी तरह UAPA के तहत सज़ा की दर भी अपेक्षाकृत कम रही है। इसी आधार पर कभी 2008 में हुये जयपुर सीरियल बम धमाके में बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा सज़ा पाए कुछ आरोपियों को 2023 में बरी कर दिया। तो कभी 2002 में हुये अक्षरधाम मंदिर हमले के मामले में 6 आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया।

ऐसी परिस्थितियों में जहां वर्षों बाद बरी होने वाले आरोपियों का जीवन बर्बाद हो जाता है और उनका पूरा परिवार गंभीर आरोपों के इस कलंक के साथ जीने के लिये अभिशप्त हो जाता है वहीं जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता भी संदेह के दायरे में आ जाती है।

दंभोक्ति है कि 'हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकता'

अनिल जैन

इस बात से तो कोई इनकार नहीं करेगा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी ही होता है। मगर ऐसा कहने के साथ ही जब कोई यह कहता है कि कोई भी हिंदू कभी आतंकवादी हो ही नहीं सकता तो उसका यह कथन न सिर्फ उसके पूर्व कथन का खोखलापन जाहिर करता है बल्कि उसके अपराधबोध और वाश्तविक इरादों का भी परिचय कराता है।

कोई हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। ' यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के नेता अक्सर कहते रहते हैं, लेकिन यही बात अब केंद्र सरकार की ओर से संसद में भी कह दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा- 'मैं गर्व से कह सकता हूं कि कोई भी हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। ' इसे संयोग कहें या कुछ और कि गृह मंत्री के इस भाषण के अगले ही दिन राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए की विशेष अदालत ने मालेगांव बम धमाके मामले का फैसला सुनाते हुए भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सातों अभियुक्तों को बरी कर दिया।

अमित शाह से पहले यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले यानी 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मशहूर अभिनेता कमल हासन के बयान के जवाब में कही थी। अभिनेता से नेता बने कमल हासन ने अपनी एक चुनावी सभा में कहा था कि- 'देश का पहला आतंकवादी नाथूराम गोडसे हिंदू था, जिसने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या की थी। ' कमल हासन के इस बयान पर मोदी ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता लेकिन इसी के साथ अगली सांस में उन्होंने यह भी कहा था कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता और जो आतंकवादी होता है, वह कभी हिंदू नहीं हो सकता। '

वह पहला मौका था जब देश के किसी प्रधानमंत्री के मुंह से इस तरह की बात निकली हो। मोदी ने पीएम के रूप में यह बात पहली बार कही थी और चुनाव अभियान के दौरान कही थी जिसका राजनीतिक मकसद साफ था। वे अपनी चुनावी रैलियों में लगातार सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने वाले भाषण दे रहे थे। गोडसे के बारे में भी उनके कथन से साफ था कि उन्होंने परोक्ष रूप से राष्ट्रपिता के हत्यारे का बचाव किया था।

बहरहाल भाजपा की ओर से अभी तक जो बात संसद के बाहर कही जाती रही थी, उसे अब सरकार की ओर से शाह ने संसद में भी दोहरा दिया है। उनका यह बयान न सिर्फ देश के तमाम गैर हिंदू समुदायों को लांछित और अपमानित करने वाला है बल्कि उस संविधान को भी सीधे-सीधे चुनौती है, जिसकी शपथ लेकर वे धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक भारत के गृह मंत्री बने हुए हैं।

इस बात से तो कोई इनकार नहीं करेगा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी ही होता है। मगर ऐसा कहने के साथ ही जब कोई यह कहता है कि कोई भी हिंदू कभी आतंकवादी हो ही नहीं सकता तो उसका यह कथन न सिर्फ उसके पूर्व कथन का खोखलापन जाहिर करता है बल्कि उसके अपराधबोध और वाश्तविक इरादों का भी परिचय कराता है। उसके इस कथन का निहितार्थ होता है कि कोई हिंदू तो आतंकवादी नहीं हो सकता, लेकिन कोई गैर हिंदू जरूर आतंकवादी हो सकता है। सवाल है कि जब कोई गैर हिंदू ही आतंकवादी हो सकता है तो फिर यह कहने का क्या मतलब है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता?

जब कोई यह कहता है कि हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकता, तो यह सवाल पूछना लाजिमी हो जाता है कि जब कोई हिंदू किसी स्त्री के साथ बलात्कार कर सकता है, किसी की हत्या कर सकता है, चोरी कर सकता है, डाका डाल सकता है, लूटपाट कर सकता है, इसके अलावा और भी तमाम तरह के आपराधिक कृत्यों में लिप्त हो सकता है तो फिर वह आतंकवादी क्यों नहीं हो सकता? फिर सवाल यह भी है कि आखिर आतंकवाद किसे कहेंगे? सामान्य समझ तो यही कहती है कि किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा अपने नाजायज मकसद को पाने के लिए किसी भी तरह के जान-माल का नुकसान करना और समाज में भय का माहौल बनाना ही आतंकवाद है।

इस ऐतिहासिक तथ्य से कौन इनकार कर सकता है कि महात्मा गांधी की निर्मम हत्या आजाद भारत की सबसे पहली और सबसे बड़ी आतंकवादी वारदात थी, जो सांप्रदायिक नफरत से प्रेरित थी। उसे अंजाम देने वाला वाला व्यक्ति कोई पाकिश्तान या अफगानिश्तान से नहीं आया था। जो था, वह हिंदू नाथूराम गोडसे ही था।

यही नहीं, महात्मा गांधी की हत्या की साजिश में शामिल रहे विनायक दामोदर सावरकर, गोपाल गोडसे, नारायण आप्टे, मदनलाल पाहवा, रामकृष्ण करकरे, दिगंबर बडगे आदि नाथूराम के सभी सहयोगी भी हिंदू ही थे। नाथूराम गोडसे तो ऐसा हिंदू था कि गांधी जी पर गोलियां दागने के पहले हुई धक्का-मुक्की में उनकी पोती मनु के हाथ से जमीन पर गिरी पूजा वाली माला और आश्रम की भजनावली को भी वह अपने पैरों तले रौंदता हुआ आगे बढ़ गया था। 20वीं सदी का जघन्यतम अपराध करने- एक निहत्थे बूढ़े, परम सनातनी हिंदू, राम के अनन्य-आजीवन आराधक का सीना गोलियों से छलनी करने।

हिंदू राष्ट्रवादियों का नुमाइंदा नाथूराम गोडसे गांधी की हत्या के जरिए आतंक पैदा कर देश के बाकी नेताओं को यही तो संदेश देना चाहता था कि हिंदू-मुस्लिम मेलमिलाप की बात करने वालों का वही हश्र होगा जो गांधी का हुआ है। क्या नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और उनकी राष्ट्रवादी जमात के अन्य नेता इस हकीकत को नकार सकते हैं कि 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश भर में हुआ सिखों का कत्लेआम देश के बंटवारे के बाद की सबसे बड़ी त्रासदी थी। उस त्रासदी के दौरान भी असंख्य सिखों को जिंदा जलाने वालों और उनकी महिलाओं के साथ बलात्कार करने ज्यादातर हिंदू ही तो थे।

सवाल यह भी है कि कोई ढाई दशक पूर्व ओडिशा में ग्राहम स्टेंस नामक निर्दोष बूढ़े पादरी और उसके मासूम बच्चों को जिंदा जलाने का कृत्य क्या आतंकवाद नहीं कहा जाएगा? उस कृत्य को अंजाम देने वाला बजरंग दल का पदाधिकारी दारासिंह क्या किसी दूसरे देश का गैर हिंदू नागरिक था? ओडिशा में ही करीब डेढ़ दशक पहले विश्व हिंदू परिषद के एक नेता लक्ष्मणानंद के नक्सलियों के हाथों मारे जाने की घटना का ठीकरा ईसाई मिशनरियों के माथे फोड़ कर लगभग एक माह तक विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने कंधमाल में हिंसा का जो तांडव मचाया था, क्या वह आतंकवाद नहीं था? वहां रहने वाले सभी ईसाइयों के घरों और चर्चों को आग के हवाले कर डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिए जाने का समूचा घटनाक्रम किस तरह के राष्ट्रवाद से प्रेरित था?

इसी सिलसिले में सवाल गुजरात को लेकर भी बनता है कि इसी सदी के शुरुआती दौर में वहां 'क्रिया की प्रतिक्रिया' के नाम पर मुसलमानों का संगठित कत्लेआम क्या आतंकवादी कार्रवाई नहीं थी? उसी कत्लेआम के दौरान मुस्लिम समुदाय की कई गर्भवती स्त्रियों के गर्भ पर लातें मार-मार कर उनकी और उनके गर्भस्थ शिशुओं की हत्या कर देना किस तरह के मानव धर्म या राष्ट्रभक्ति से प्रेरित कृत्य था? उसी हिंसा में सौ से अधिक लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार बाबू बजंरगी को क्या आतंकवादी नहीं माना जाएगा, जिसे अदालत ने आजीवन कारावास की सजा दे रखी है।

शायद मोदी, अमित शाह और उनकी संस्कार शाला (आरएसएस) के नेताओं की नजरों में किसी स्त्री के साथ बलात्कार या किसी को जिंदा जला देना आतंकवाद तो क्या सामान्य अपराध की श्रेणी में भी नहीं आता होगा! अगर आता तो वे यह बचकानी दलील कतई नहीं देते कि कोई हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। पृथक गोरखालैंड तथा बोडोलैंड के लिए दशकों से हिंसक गतिविधियों में संलग्न लड़ाकों को भी क्या मोदी और शाह हिंदू नहीं मानेंगे?

सीमा पार के आतंकवाद के साथ ही हमारा देश आज जिस एक और बड़ी चुनौती से जूझ रहा है, वह है माओवादी आतंकवाद। देश के विभिन्न इलाकों में सक्रिय विभिन्न माओवादी संगठनों में अपवाद स्वरूप ही कोई एकाध मुस्लिम युवक होगा, अन्यथा सारे के सारे लड़ाके संघ की परिभाषा के तहत हिंदू ही हैं।

उपरोक्त सारे उदाहरणों का आशय समूचे हिंदू समाज को लांछित या अपमानित करना कतई नहीं है। मकसद सिर्फ यह बताना है कि चाहे वह गोडसे हो या दारासिंह, चाहे सिख विरोधी हिंसा के अपराधी हो या गुजरात के कातिल, चाहे वह चर्चों और ईसाइयों के घरों में आग लगाने वाले हों या माओवादी लड़ाके, सबके सब चाहे वे जिस जाति या प्रदेश के हो या चाहे जो भाषा बोलते हो, वे सब संघ की परिभाषा के तहत हिंदू ही हैं।

इसलिए यह दंभोक्ति निहायत ही अतार्किक और बेमतलब है कि कोई हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

... तो सुप्रीम कोर्ट क्या तय करेगा?

अर्जुन देशप्रेमी

कांग्रेस नेता प्रियंका गाँधी ने अब एक नया सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर सुप्रीम कोर्ट क्या तय करेगा और क्या नहीं? दरअसल यह पहली बार है जब किसी नेता ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के जज यह तय नहीं करेंगे कि सच्चा भारतीय कौन है। प्रियंका का ये जवाब सुप्रीम कोर्ट के राहुल के 'सच्चे भारतीय' होने पर उठाए सवाल पर आया।

4 अगश्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सेना पर की गई टिप्पणी के मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई थी जिसमे राहुल गाँधी ने कहा था कि भारतीय सेना को चीनी सैनिक पीट रहे है। राहुल गाँधी ने भारतीय सैनिकों के शौर्य पर सवाल दागा था और कहा था कि चीन ने भारत के 2000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया है। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी पूछा था कि राहुल गाँधी को कैसे पता चला कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है। सुप्रीम सुप्रीम कोर्ट यहाँ तक कहा था कि ये बातें संसद में क्यों नहीं कहते। आप विपक्ष के नेता हैं। ये बातें संसद में क्यों नहीं कहते। सोशल मीडिया की क्या जरूरत है? कैसे पता चला कि चीन ने 2000 वर्ग किमी क्षेत्र कब्जा लिया। क्या आप वहां थे। कोई प्रमाण है।

सुप्रीम कोर्ट के इस कड़े रूख के बाद लगा था कि देश के नेता कुछ सोचेंगे और अपने बेलगाम बयानों पर लगाम लगाने की कोशिश करेंगे। पर हुआ उल्टा ही दिख रहा है। खासकर कांग्रेस के नेताओं के बयान से। प्रियंका गाँधी की बात करें तो मतलब यह निकलता दिख रहा है कि जब भी सुप्रीम कोर्ट कुछ कहेगा तो क्या प्रियंका गाँधी और कांग्रेस के नेता यह सवाल उठाएंगे कि सुप्रीम कोर्ट यह थोड़े न तय करेगा।

इसमे तो यह भी संभव है कि अगर सुप्रीम कोर्ट कह दे कि राहुल गाँधी ने भ्रष्टाचार किया है, तो प्रियंका गाँधी और कांग्रेस के नेता क्या यह कहेंगे कि यह सुप्रीम कोर्ट कौन होता है तय करने वाला कि भ्रष्ट कौन है? क्या कोई यह गारंटी ले सकता है कि अगर सुप्रीम कोर्ट यह कह दे कि राहुल गाँधी ने दोहरी नागरिकता ले रखी है, तो यही प्रियंका गाँधी और कांग्रेस यह नहीं कहने लगेगी कि सुप्रीम कोर्ट के जज कौन होते हैं यह तय करने वाले कि राहुल के पास दोहरी नागरिकता है।

निहितार्थ तो यह निकलता दिख रहा है कि राहुल गाँधी या गाँधी परिवार के खिलाफ कोई भी टिप्पणी या निर्णय पर कांग्रेस ऐसे ही प्रतिक्रिया देगी। चुनाव आयोग के मसले पर हो या संसद में गतिरोध पर या किसी भी मुद्दे पर गलतबयानी करने के मामले पर, फिर तो राहुल गाँधी कोर्ट और संविधान से ऊपर माने जा रहे हैं। क्या यह स्थिति देश के सच्चे लोकतंत्र के लिए घातक नहीं होने जा रही है?

अगर यह पहला मामला होता तो इसे नज़रंदाज़ भी किया जा सकता था। कोर्ट, खासकर सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गाँधी के खिलाफ कई मामलों में नरम रूख अपनाया भी है और नज़रंदाज़ भी किया है। राहुल गाँधी ने बार बार माफ़ी मांगी है और कोर्ट ने उन्हें माफ़ भी किया है, राहत भी दी है।

पर वे तो अब झूठ बोलने, सेना पर सवाल उठाने, प्रधानमंत्री को तू-तड़ाक करने, संसदीय परम्पराओं को ताखे पर रखने, संसद में मनमानी करने, आँख मारने, किस करने, आसन की अवमानना करने के अभ्यश्त से हो गए दिखते हैं। राहुल गाँधी ने "चौकीदार चोर है" पर कोर्ट में माफ़ी मांगी।

"सावरकर माफ़ीवीर है" – महाराष्ट्र में जाकर माफ़ी मांगी। "चीनी हमारी सेना को पीट रहे हैं", इसपर चुप्पी साधकर बेकफुट पर चले गए। "मोदी सरनेम चोर है" – कोर्ट से सज़ा सूना दी गई। राफेल केस में कोर्ट की अवमानना – बिना शर्त माफ़ी मांगी। "चीन ने हमारी ज़मीन ले ली" – सुप्रीम कोर्ट से फटकारः "अगर सच्चे भारतीय हो, तो ऐसा मत कहो"।

देश की अर्थव्यवस्था मर गई है- इसपर कांग्रेस के नेताओं ने ही राहुल को आइना दिखा दिया। चुनाव आयोग के खिलाफ 5 अगश्त को कर्नाटक में एटम बम फोड़ने वाले थे, पर कुछ नहीं हुआ और चुप्पी साध ली। यानी हर बयान का अंत एक ही होता है – माफ़ी या कोर्ट से फटकार या चुप्पी या यू टर्न। उनका फार्मूला हो गया है कि बोलो कुछ भी, पकड़े जाओ तो माफ़ी मांगो। जिम्मेदारी नाम की तो कोई बात ही नहीं। इतने मुकदमे झेल रहे हैं जितनी शायद ही किसी नेता विपक्ष ने कभी झेली हो।

मै गलत हो सकता हूँ। पर जिस तरह से नेता प्रतिपक्ष लम्बे समय से कर रहे हैं, उससे आभास होता है कि राहुल गांधी को ना अपने देश से कोई प्यार है, ना वह अपने आप को और अपने परिवार को भारतीय समझता है। वह तो यह समझता है कि अंग्रेज उन्हें और उनके खानदान को देश चलाने के लिए लाइसेंस दे गए थे और देश की सत्ता पर सिर्फ और सिर्फ उनके परिवार का हक़ है। उनकी मर्जी वे जो बोले, उनको कोई कुछ न बोले, चाहे सुप्रीम कोर्ट ही क्यों न हो।

उनका एक और सिगुफा आया है कि चुनाव आयोग मर चुका है। जहाँ चुनाव जीत जाते हैं, वहां सब ठीक। वहां चुनाव आयोग सही होता है, पर जहाँ चुनाव हार जाते हैं, या हार दिख रही होती है, वहां चुनाव आयोग के खिलाफ बेहद निचले श्तर के शब्दों के साथ पेश आते हैं। और वह ऐसा तब करते हैं जब उनको पता है कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है।

यह वही चुनाव आयोग है जिसके चुनाव आयुक्तों को कांग्रेस ही नियुक्त करती थी। तब तो कांग्रेस के राज में मतदाता सूची में मृत आत्माएँ वोट डालती थीं। तब बैलेट बॉक्स गायब करवाए जाते थे और गाड़ियों में भर-भर के लाए जाते थे। बाहुबली गुंडों का राज होता था, बूथ कैप्चरिंग कांग्रेस का प्रिय खेल हुआ करता था। वोट देने वालों को डराया धमकाया जाता था। तब इन्हे चुनाव आयोग 'अच्छा' लगता था।

तब सब ठीक था, अब सब गलत है और चुनाव आयोग मर गया है। अब ऐसे में अगर सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के किसी मामले में राहुल के खिलाफ कुछ कह दे तो क्या जरूरी नहीं कि कांग्रेस और प्रियंका गाँधी यह कहने लगें कि सुप्रीम कोर्ट कौन होता है तय करने वाला कि राहुल गलत हैं और चुनाव आयोग सही? बेहतर हो कांग्रेस और इसके नेता हर बात में राहुल गाँधी के बचाव में उतरने की जगह उनको सही राह दिखाने की कोशिश करें। या पहले यही तय कर लें कि सुप्रीम कोर्ट क्या तय करेगा और क्या नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

जनपद स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का हुआ आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

माध्यमिक शिक्षा विभाग के तत्वाधान में जनपद स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन बुधवार को रतन प्रेम डी.ए.वी. बालिका इंटर कॉलेज में सम्पन्न हुआ। विज्ञान संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पूरन सिंह, विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रियंका चौरसिया, जिला समन्वयक राजीव कुमार अग्रवाल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों प्रोफेसर बी पी सिंह, डॉ पुष्पेंद्र त्रिपाठी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण करके संयुक्त रूप से किया गया।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पूरन सिंह ने कहा कि क्वांटम तकनीक हमारी सोच, शिक्षा, अनुसंधान और जीवन को नई दिशा दे रही है, इस संगोष्ठी के माध्यम से नवाचार जन्म लेंगे और भविष्य के द्वार खुलेंगे। जिला समन्वयक राजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष संगोष्ठी का मुख्य विषय क्वांटम युग का आरंभः संभावनाएँ और चुनौतियाँ निर्धारित किया गया है, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों से चयनित प्रतिभागियों ने विज्ञान की नवीनतम धाराओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए, कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करना एवं क्वांटम भौतिकी जैसे जटिल विषयों को सरल रूप में समझने हेतु एक मंच प्रदान करना रहा। संगोष्ठी में विज्ञान संकाय के शिक्षकों, विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रोफेसर बी पी सिंह एवं डॉ पुष्पेंद्र त्रिपाठी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्यों से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और विज्ञान के बदलते परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन रेखा रानी ने किया। कार्यक्रम में संजीव शर्मा, डॉ रुचि सिंह, कविता कुमारी, साक्षी सिंह, बिजनेश, वीना सागर आदि समस्त स्टॉफ का विशेष सहयोग रहा, अंत में कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रियंका चौरसिया ने आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

अजमल ख़ान तिब्बिया कॉलेज में स्तनपान जागरूकता शिविर हुआ आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अजमल ख़ान तिब्बिया कॉलेज के अमराज़-ए-निस्वां व कबालत (स्त्री एवं प्रसूति रोग) विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह 2025 के तहत हस्पिटल की ओपीडी-4 में एक विस्तारित जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन यूनानी मेडिसिन फैकल्टी के डीन प्रो. सफदर अशरफ़ और कॉलेज के प्राचार्य प्रो. बी डी ख़ान ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. सुबूही मुस्तफ़ा, डा अबीहा अहमद ख़ान, डा फहमीदा जीनत तथा विभाग के पीजी छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहीं। शिविर की शुरुआत विभाग के चिकित्सकों द्वारा आयोजित संवादात्मक सत्र से हुई, जिसे विशेष रूप से गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए तैयार किया गया था। प्रतिभागी अपने परिवारजनों और सहायकों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रो. सुबूही मुस्तफ़ा ने शिशु के प्रारंभिक जीवन में स्तनपान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह शिशु की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, मां-बच्चे के बीच भावनात्मक जुड़ाव को प्रबल करने और शारीरिक व मानसिक विकास में सहायक होता है। कार्यक्रम का समन्वय डा अबीहा अहमद ख़ान के नेतृत्व में विभाग के शिक्षकों और रेज़िडेंट्स की सक्रिय भागीदारी से किया गया। शिविर ने मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु पोषण और प्रसवोत्तर देखभाल जैसे विषयों पर जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एएमयू के दो छात्रों ने एशियन चैम्पियनशिप में भारतीय टीम को रजत पदक दिलाया

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

दक्षिण कोरिया में आयोजित 20वीं एशिया रोलर स्केटिंग चौम्पियनशिप में भारतीय रोलर हाकी टीम में शामिल अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के दो खिलाड़ियों मोहम्मद अमानउल्लाह फारूकी और संतोष जीएम ने भारतीय टीम को रजत पदक दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इन खिलाड़ियों को रोलर स्केटिंग चौम्पियनशिप में हिस्सा लेने के लिए भारतीय रोलर स्केटिंग फेडरेशन द्वारा चयनित किया गया था।

मोहम्मद अमानउल्लाह फारूकी बीएससी (कम्पयूटर एप्लीकेशन) और संतोष तीएम एमबीए (फाइनांस) अंतिम वर्ष के छात्र हैं। दोनों ही खिलाड़ियों ने पीआर चाइना, न्यूज़ीलैंड, हॉंगकांग, मकाऊ और जापान के साथ खेले गये मैचों में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को विजय दिलाई और भारतीय टीम को सिल्वर मैडल दिलाने में भारत की पदक तालिका में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस प्रतियोगिता में 9 देशों की टीमों ने भाग लिया और 8 टीमों को हराकर भारतीय टीम ने

अब खाने-पीने के भी लाले...नावें और मोटर बोट नाकाफी, गंगा-यमुना का जलस्तर गिरा

वेबवार्ता.एजेंसी. इलाहाबाद। प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में मंगलवार को थोड़ी गिरावट दर्ज की गई लेकिन खतरा बरकरार है। फाफामऊ में शाम तक गंगा खतरे के निशान (84.738 मीटर) से ऊपर 85.99 मीटर पर रहीं। वहीं नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 85.79 मीटर रिकॉर्ड किया गया।

गंगा और यमुना का जलस्तर भले ही कम होने लगा है लेकिन खतरा बरकरार है। साथ ही बाढ़ की चपेट में आई करीब पांच लाख की आबादी की दुश्वारियां बढ़ती जा रही हैं। हालात यह है कि लोगों के सामने भोजन-पानी का संकट खड़ा होने लगा है।

वहीं, राहत शिविरों में शरणार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। मंडलायुक्त व डीएम ने मंगलवार को व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर तैयारियां परखीं।

यमुना के जलस्तर में गिरावट सोमवार शाम से ही शुरू हो गई थी जो मंगलवार को भी जारी रही। सिंचाई विभाग को मंगलवार की शाम की रिपोर्ट के अनुसार, यमुना में गिरावट प्रति घंटे 075 सेमी दर्ज की गई है। वहीं, फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में भी प्रति घंटे एक सेमी की गिरावट दर्ज की गई। इसका नतीजा यह रहा कि गंगा का जलस्तर शाम पांच बजे के करीब 86 मीटर से नीचे चला गया। राहत की बात यह भी रही कि गंगा व यमुना का जल तेजी से निकल रहा है। इसका नतीजा रहा कि छतनाग में जलस्तर में प्रतिघंटे तीन सेमी की गिरावट दर्ज की गई।

दोनों नदियों के जलस्तर में गिरावट को लेकर सिंचाई विभाग के अफसरों के संकेत सकारात्मक हैं। अधिशासी अभियंता दिग्विजय सिंह का कहना है कि फिलहाल दोनों नदियों के जलस्तर में गिरावट जारी रहने की उम्मीद है। यमुना का जलस्तर 85.31 रिकॉर्ड किया गया। करीब एक मीटर पानी कम हुआ है। गंगा का जलस्तर 85.74 सेंटीमीटर रिकॉर्ड किया गया। जलस्तर करीब आधा मीटर पानी कम हुआ है।

अब खाने-पीने के भी लाले: बाढ़ की अवधि बढ़ने के साथ इसमें फंसे लोगों की दुश्वारियां भी बढ़ती जा रही है। बाढ़ पीड़ितों के बीमार पड़ने की शिकायतें बढ़ने के साथ ही भोजन-पानी का भी गंभीर संकट पैदा हो गया है। प्रशासन की ओर से मंगलवार को अलग-अलग क्षेत्रों में भोजन के पैकेट और राहत सामग्री वितरित कराई गई लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। सलोरी के रमेश पुरोहित, छोटा बघाड़ा में फंसे दुर्गेश कुशवाहा, म्योराबाद की रंगीता आदि बाढ़ का दंश झेलने को मजबूर हैं।

नाकाफी साबित हो रहीं नावें और मोटर बोट: बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने और लाने-ले जाने के लिए 323 नावें व तीन मोटर बोट लगाई गई हैं। सदर तहसील के अंतर्गत 133 नावें चलाई जा रही हैं लेकिन इनका लाभ सभी प्रभावितों को नहीं मिल पा रहा है। कई क्षेत्रों में नावें पहुंच ही नहीं पा रही हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की ओर से खाने के पैकेट, लाई-चना समेत अन्य राहत सामग्री पहुंचाई गई लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। लोग कंट्रोल रूम के अलावा अन्य लोगों को लगातार फोन करते रहे लेकिन मदद नहीं मिली।

खेती को नुकसान, मांगी गई रिपोर्ट: बाढ़ की चपेट में आने से हजारों एकड़ फसल जलमग्न हो गई है। जिला प्रशासन की ओर से इस नुकसान का आकलन कराया जाएगा। इसके लिए सर्वे शुरू हो गया है। इस बाबत तहसीलों और ब्लॉकों से प्रभावित क्षेत्र, बोया गया क्षेत्र, कटान की स्थिति, तीन इंच से अधिक गाद वाली खेती योग्य भूमि का क्षेत्रफल, फसल क्षति आदि बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है।

बाढ़ क्षेत्रों में अब भी आठ हजार से अधिक उपभोक्ताओं के घरों में अंधेरा: बाढ़ की वजह से निचले इलाकों में अब भी आठ हजार से अधिक उपभोक्ताओं के घरों में अंधेरा छाया हुआ है। चार दिन बाद भी इन घरों में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। जलस्तर में मामूली गिरावट के बाद मंगलवार को कई इलाकों में आपूर्ति बहाल कर दी गई। इससे अशोकनगर की बेली कॉलोनी की बकरीद वाली गली समेत अन्य मोहल्लों में रहने वालों को राहत मिली। वहीं, गंगानगर इलाके में ट्रांसफॉर्मर डूबा होने से आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। बाढ़ प्रभावित कीडगंज के यमुना बैंक रोड स्थित उपकेंद्र व दारागंज के बक्शी बांध जलमग्न हैं, जिससे वहां बिजली बहाल नहीं हो सकी है। मंगलवार को मुख्य अभियंता राजेश कुमार ने बाढ़ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा, दूसरी लाइन से संबंधित मोहल्लों में बिजली आपूर्ति बहाल की जा रही है।

गंगा-यमुना की रफ्तार थमी, राहत की उम्मीद जगी

प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में मंगलवार को थोड़ी गिरावट दर्ज की गई लेकिन खतरा बरकरार है। फाफामऊ में शाम तक गंगा खतरे के निशान (84.738 मीटर) से ऊपर 85.99 मीटर पर रहीं। वहीं नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 85.79 मीटर रिकॉर्ड किया गया। दोनों नदियों के खतरे के निशान से ऊपर बहने से करीब पांच लाख की आबादी बाढ़ से जूझ रही है। समय के साथ बाढ़ पीड़ितों की दुश्वारियां भी बढ़ती जा रही हैं। आशियाना छूटने के बाद अब उनके सामने भोजन-पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। हालात की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि राहत शिविरों में लगातार बाढ़ प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। बीते रोज जहां 8386 लोगों ने सरकारी राहत शिविरों में शरण ली थी, वहीं मंगलवार को यह संख्या बढ़कर 9470 हो गई। यह संख्या अभी और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। बाढ़ की वजह से अंतिम संस्कार की डगर भी कठिन हो गई है। ऊपर से प्रशासन एवं नगर निगम की अव्यवस्था ने अपनों को खोने वालों का दर्द और बढ़ा दिया है। अंतिम संस्कार के लिए घाटों पर किसी तरह के इंतजाम नहीं हैं। बीते रोज अत्यधिक दबाव के कारण दारागंज विद्युत शवदाह गृह भी जवाब दे गया।

मुख्यमंत्री की नाराजगी के बाद कमिश्नर, सफाई व्यवस्था की करेंगी स्वयं मॉनिटरिंग

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुख्यमंत्री द्वारा भ्रमण कार्यक्रम में नगर निगम की सफाई व्यवस्था के प्रति नाराजगी प्रकट करने के बाद आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ श्रीमती संगीता सिंह द्वारा कड़ा रूख अपनाते हुए अलीगढ़ शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने एवं शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए कार्यालय कक्ष में नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा सहित नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि तत्काल ऐसे स्थलों को चिन्हित कर लिया जाये जहाँ पर नियमित रूप से कूड़ा पड़ता है या कचरे के ढ़ेर लगे हुए है। उन्होंने विशेषकर दोदपुर, मैरिस रोड, सेंटर प्वाइंट, नुमाईश ग्राउंड, नगर के सभी व्यवसायिक बाजार, शाहजमाल रोड़, सासनीगेट, रामघाट रोड़ पर गन्दगी को समाप्त करने के लिए नगर निगम को तत्काल 50 गैंग व 50 व्हीकल बढ़ाते हुए सभी टीमों को दो शिफ्टों में एक साथ कार्य आरंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि साफ-सफाई के लिए महा अभियान चलाकर ऐसे सभी स्थलों को साफ-सुथरा बनाया जाये ताकि आमजन को स्वच्छता की अनुभूति हो सके। नगर में स्वच्छता अभियान एवं गीला कूड़ा एवं सूखा कूड़ा घरों से ही पृथक दिये जाने के लिए वार्डश्तर पर सम्बन्धित पार्षद की अध्यक्षता में वार्डों में स्वच्छता निगरानी समिति का गठन कर उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि सम्पूर्ण नगर निगम क्षेत्र में "मेरा वार्ड सबसे स्वच्छ वार्ड" अभियान चलाते हुए प्रतिस्पर्धा का आयोजन भी किया जाये, जिसमें उच्च स्थान पाने वाले वार्डों के पार्षद, स्वच्छता निगरानी समिति एवं कार्यों में सहयोग करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया जाये।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि स्वच्छता समितियों में मा. विधायक एवं अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधियों व राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को सम्मिलित करते हुए नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सांसद, विधायकगण,एमएलसी की अपील की वीडियो क्लिप आउटडोर एलईडी के माध्यम से प्रसारित किया जाये।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि

डोर-टू-डोर कलैक्शन में सूखा-गीला कूड़ा पृथक-पृथक करके दिये जाने के लिए वाहन में व्यवस्था दी गई है। किन्तु अभी तक आम नागरिकों में कूड़े को अलग-अलग दिये जाने की आदत नहीं बनी है। इस पर मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि स्वच्छता निगरानी समिति एवं नगर निगम के वाहनों से प्रचार-प्रसार कर लोगों से अपील की जाये। इस कार्य में महिलाओं का योगदान लेने के लिए जो महिलायें अपने घरों से कूड़ा पृथक-पृथक करके दे रही हैं।

उन्हें मण्डलायुक्त के द्वारा प्रंशसा पत्र व नकद इनाम से सम्मानित भी कराया जाए और ऐसी महिलाओं के फोटो सम्मान के साथ होर्डिंग्स पर भी लगाए जाएं ताकि अन्य महिलाएं भी कूड़ा सेग्रीकेशन के प्रति जागरूक हो सकें। नगर आयुक्त ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था में आ रही समस्याओं की जानकारी देते हुए बताया कि जलभराव, शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कूड़ा कलैक्शन न होना, जाफरी ड्रेन, एएमयू के पीछे एवं एटा रोड का नाला कच्चा होना, एटूजैड द्वारा 2022 से कूड़े का निश्तारण न करना प्रमुख हैं। इसके साथ ही उन्होंने शहर में पृथक से सीवेज लाइन बनाए जाने के साथ ही पुलिस विभाग द्वारा अपेक्षित सहयोग प्राप्त कराए जाने की बात रखी। इस पर मण्डलायुक्त ने नालों को पक्का कराए जाने एवं सीवेज लाइन के लिए प्रश्ताव तैयार कराने के निर्देश दिए।

मण्डलायुक्त ने कहा कि आगामी रक्षाबन्धन, स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी त्यौहारों पर स्वच्छता अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए ऑडियो क्लिप को स्कूलों, कॉलेजों, मन्दिरों एवं अन्य धार्मिक आयोजन स्थलों पर प्रसारित कराते हुए स्वच्छता अभियान में जनसहयोग प्राप्त करें। वार्डश्तर पर ऐसे लोग जो बार-बार चेतावनी के पश्चात भी सड़क पर कूड़ा डालने की आदतों में सुधार नहीं ला रहे हैं, उनको चिन्हित करते हुए प्रथम चरण में उन्हें अपनी गलतियों का एहसास दिलाने एवं भविष्य में सुधार लाने के लिए उनके घर जाकर उन्हें सत्याग्रह तरीके जैसे पुष्प भेंट करना, माला पहनाना से समझाते हुए सुधार ना होने पर उनके नामों का प्रचार-प्रसार भी किया जाये। मण्डलायुक्त ने नगर आयुक्त को शहर में व्यापक श्तर पर अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि एक सप्ताह बाद पुनः समीक्षा की जाएगी कि इस महाअभियान से शहर की सफाई व्यवस्था में क्या परिवर्तन आया, जिससे आम जनता एवं जनप्रतिनिधियों तक यह संदेश जा सके कि प्रत्येक नागरिक को मा0 मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। बैठक में सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह, राकेश कुमार, चीफ इंजीनियर नगर निगम सुरेश चन्द्र, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 मुकेश कुमार, जीएम जलकल पी0के0 सिंह, डिवीजनल प्रोग्राम मैनेजर डा0 नौशी अनीश, जोनल सेनेटरी आफिसर नगर निगम रामानन्द त्यागी, प्रोजेक्ट हैड सुकमा रितेश कपूर, प्रोजेक्ट हैड अर्बन एम0एस0 सैफी उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर रोडवेज बसों में बहनों को तीन दिन मुफ्त यात्रा, इस दिन से लागू होगी व्यवस्था

बरेली एजेंसी। इस बार रक्षाबंधन पर बहनों को रोडवेज बसों में तीन दिन मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। आठ अगस्त की सुबह छह से 10 अगस्त की रात 12 बजे तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। उनको शून्य रुपये का टिकट जारी किया जाएगा। आदेश मिलने के बाद स्थानीय स्तर पर बरेली, रुहेलखंड, पीलीभीत और बदायूं डिपो में तैयारियां शुरू कर दी गईं हैं। कार्ययोजना बनाने के लिए क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक चौधरी ने मंगलवार को चारों डिपो के अधिकारियों की बैठक बुलाई है। शहर में रोडवेज के पुराना और सेटेलाइट बस अड्डों पर इन दोनों डिपो के अलावा अन्य डिपो व राज्यों की 700 से ज्यादा बसों और

32 हजार से ज्यादा यात्रियों का आवागमन हो रहा है। रक्षाबंधन पर बहनों के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा होने के कारण यात्रियों की संख्या रोजाना 80 हजार तक पहुंचने का अनुमान है। ज्यादा दबाव लोकल रूटों पर है।

रक्षाबंधन से पहले चारों डिपो की कार्यशाला और क्षेत्रीय कार्यशाला में शत-प्रतिशत बसों को दुरुस्त कर ऑनरोड लाने के लिए काम किया जा रहा है। चालक, परिचालक और कार्यशाला कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक चौधरी ने बताया कि लोकल रूटों पर बसों के फेरों को बढ़ाया जाएगा। मंगलवार को बैठक के बाद संबंधी रूट, बसों की संख्या समेत अन्य कार्ययोजना जारी कर दी जाएगी।

एक दिन में 127 बसें खराब, ऑफरोड रहने से समस्स्या

रोडवेज के जिम्मेदार अधिकारी एक ओर रक्षाबंधन से पहले शत प्रतिशत बसों को पूरी तरह से दुरुस्त कर ऑनरोड लाने का दावा कर रहे हैं। दूसरी ओर एक दिन में 100 से ज्यादा बसें खराब होने के कारण ऑफरोड हो रही हैं। शनिवार को बरेली और रुहेलखंड डिपो की 127 बसों के पहिये नहीं घूमे। यह बसें मरम्मत के इंतजार में वर्कशॉप में खड़ी रहीं। रविवार को भी 80 से ज्यादा बसें खराबी के कारण ऑफरोड रहीं।

अलीगढ़ ने पूरे प्रदेश में मारी बाजी, "संपूर्णता अभियान" में प्रथम स्थान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नीति आयोग, भारत सरकार के निर्देशों व राज्य सरकार के मार्गदर्शन में चलाए गए "संपूर्णता अभियान" में अलीगढ़ ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है।

नीति आयोग द्वारा राज्य श्तर पर आयोजित संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिलाधिकारी संजीव रंजन को मेडल प्रदान किया गया। अभियान के तहत आकांक्षात्मक विकासखंड गंगीरी में स्वास्थ्य, आईसीडीएस और कृषि विभाग के कुल पॉच इंडीकेटर्स पूर्णतः संतृप्त किए गए। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जिले को 50 मेडल और प्रशश्ति पत्र प्रदान किए गए।

अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह व ब्लॉक प्रमुखयोगेश कुमार यादव ने कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। "आकांक्षा हॉट" में 20 विभागीय स्टॉलों पर स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री की गई, साथ ही मृदा परीक्षण व स्वास्थ्य जांच भी संपन्न हुई।

इस अवसर पर जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों से आए 118 युवक एवं 149 महिला मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन किट का वितरण किया गया।

एक ही कृषक को अधिक यूरिया उर्वरक विक्रय करने पर साक्ष्यों सहित मांगा स्पष्टीकरण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला कृषि अधिकारी धीरेन्द्र सिंह चौधरी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि डी0बी0टी0 पोर्टल से प्राप्त माह जुलाई की टॉप-20 उर्वरक विक्रेताओं की सूची में जिले के कृषकों को यूरिया उर्वरक के एक ही किसान को 30 से अधिक बैग विक्रय किये जाने के कारण मै0 नवदुर्गा खाद बीज भण्डार, मै0 साबिर खाद भण्डार, मै0 गोस्वामी खाद भण्डार, मै0 एग्री जंक्शन कृषक सेवा केन्द्र, मै0 प्रकाश कृषि रक्षा केन्द्र, मै0 फौजी किसान सेवा केन्द्र, मै0 प्रेम खाद भण्डार, मै0 भावना खाद बीज भण्डार, मै0 भूमि कृषक सेवा केन्द्र एवं सोसाइटी करनपुर का उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित करते हुये आपूर्ति प्रतिबन्धित कर दी गयी है और एक ही कृषक को अधिक यूरिया उर्वरक विक्रय करने के संबंध में साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण मांगा गया है।

उन्होंने बताया कि कृषकों की समस्याओं को दृष्टिगत हश्तपुर, इगलास एवं बेंसवॉ कस्बे में स्थित उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि उपलब्ध यूरिया व अन्य उर्वरकों को कृषकों में बिना किसी लगेज के निर्धारित मूल्य पर ही वितरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कृषक भाइयों को सूचित किया है कि जिले में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी एवं एसएसपी उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं जोकि कृषकों को जरूरत के अनुसार वितरित होता रहेगा।

उन्होंने विगत 01 अप्रैल से 05 अगश्त तक उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण एवं अवशेष मात्रा की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 74523 मीट्रिक टन यूरिया की उपलब्धता एवं जुलाई माह तक 50839 वितरण लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 64799 मीट्रिक टन वितरित किया गया है और 9724 मीट्रिक टन अवशेष है।

इसी प्रकार 16238 मीट्रिक टन डीएपी की उपलब्धता एवं जुलाई माह तक 14138 वितरण लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 10569 मीट्रिक टन वितरित किया गया है और 5669 मीट्रिक टन अवशेष है। उन्होंने एनपीके के बारे में बताया कि 10443 मीट्रिक टन एनपीके की उपलब्धता एवं जुलाई माह तक 1730 वितरण लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 2819 मीट्रिक टन वितरित किया गया है और 7624 मीट्रिक टन अवशेष है। 2128 मीट्रिक टन एमओपी की उपलब्धता एवं जुलाई माह तक 3530 वितरण लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 649 मीट्रिक टन वितरित किया गया है और 1489 मीट्रिक टन अवशेष है। उन्होंने जिले में रैक से प्राप्त उर्वरकों का विवरण देते हुए बताया कि 05 अगश्त को यारा फर्टिलाइजर द्वारा 1325 मीट्रिट टन यूरिया सहकारिता एवं 1000 मीट्रिक टन निजी क्षेत्र के लिए प्राप्त कराया गया है। इसी प्रकार एचयूआरएल द्वारा 614 मीट्रिक टन यूरिया सहकारिता एवं 448 मीट्रिक टन निजी क्षेत्र के लिए प्राप्त कराया गया है।

नर्मदा बायो द्वारा 650-650 मीट्रिक टन यूरिया एवं एनपीके सहकारिता व 350 मीट्रिक टन एनपीके निजी क्षेत्र को प्राप्त कराया गया है। कृभको द्वारा 1336 मीट्रिक टन यूरिया सहकारिता क्षेत्र एवं 901 मीट्रिक टन निजी क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराया गया है। आपीएल द्वारा 1784 मीट्रिक टन यूरिया एवं 766 मीट्रिक टन एमओपी उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार निजी कम्पनियों द्वारा सहकारिता क्षेत्र में 3925 मीट्रिक टन यूरिया, 650 मीट्रिक टन एनपीके और निजी क्षेत्र में 4133 मीट्रिक टन यूरिया, 350 मीट्रिक टन एनपीके एवं 766 मीट्रिक टन एमओपी उपलब्ध कराया गया है।

उन्होंने किसान भाइयों से अनुरोध है किया है कि अपनी खतौनी के साथ पीओएस मशीन में अपना ही अगूँठा लगाकर फसल संश्तुतियों के आधार पर ही उर्वरक क्रय करें।

आयकर चोरी में बड़ी फर्में रडार पर...शहर के 25 रईस की टॉप 75 रजिस्ट्री में खेल की आशंका

गोरखपुर , एजेंसी। जमीनों की रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दर्ज कराते हुए लेन-देन छिपाकर आयकर की चोरी में शहर के 25 से ज्यादा रईस आयकर विभाग के रडार पर आ गए हैं। तीन साल में ज्यादा निवेश वाले टॉप 75 रजिस्ट्री में आयकर चोरी की आशंका है। जांच करने आई आयकर विभाग की संयुक्त टीम ने इन सभी रजिस्ट्री के मूल दस्तावेज भी अपने कब्जे में लिए हैं। इसके अलावा कुल 54 हजार रजिस्ट्री का ब्योरा भी पैन ड्राइव में टीम साथ ले गई।

सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग की क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने निबंधन कार्यालय से प्रति वर्ष भेजी गई रजिस्ट्री के रिकॉर्ड की जांच की तो पता चला कि गोरखपुर के महानगर क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2025 में बहुत सारी रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दर्ज किए गए हैं। ऐसी कुल 75 रजिस्ट्री की सूची तैयार की गई जिसमें डेढ़

करोड़ से छह करोड़ रुपये की जमीन खरीदी गई है। खरीदने वालों में कुछ बड़ी फर्में भी शामिल हैं जिनका पैन नंबर पहले से आयकर विभाग के पास मौजूद था। मिलान करने पर पाया गया कि इन्होंने जालसाजी की है। इसके बाद खातों की जांच कराई गई तो रजिस्ट्री में दिखाई गई रकम और बैंक के डिटेल में अंतर पाया गया। अब ये फर्में आयकर विभाग के रडार पर आ गई हैं। इन फर्मों की अलग से सूची बनाई गई है। इसके अलावा लखनऊ में रहने वाले गोरखपुर के कुछ रईसों ने भी जमीनों की खरीद कर निवेश किए हैं। इनके भी रिकॉर्ड खंगाले गए हैं। प्रारंभिक जांच में आयकर टीम को गड़बड़ी मिली है। इसके बाद सभी के मूल दस्तावेज टीम ने अपने कब्जे में ले लिया। अब टीम रजिस्ट्री के माध्यम से निवेश की गई रकम और निवेशक के बैंक खातों का डिटेल खंगालेगी ताकि पता चल सके कि कितनी रकम कम दिखाई गई।

लखनऊ और दिल्ली की फर्में भी कर रहीं निवेश

शहर के बाहर हिस्सों यानी महराजगंज, वाराणसी और देवरिया रूट पर लखनऊ और दिल्ली की फर्में भी निवेश कर रही हैं। कुछ कॉलोनियां विकसित करने की योजना भी है। सूत्रों की मानें तो इन फर्मों के भी दस्तावेज खंगाले गए हैं। जांच की भनक लगते ही कुछ फर्मों की रजिस्ट्री कराने वाले अधिवक्ता भी निबंधन कार्यालय के चक्कर लगाते देखे गए।

54 हजार रजिस्ट्री की भी होगी जांच

रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दर्ज कराने का मामला सामने आने पर अब आयकर विभाग ने बीते तीन साल में महानगर क्षेत्र में हुई 54 हजार रजिस्ट्री की जांच कराने का निर्णय लिया है। निबंधन कार्यालय में टीम ने कुछ दस्तावेजों की रैंडम जांच कराई जिसमें पैन कार्ड नंबर फर्जी पाए गए। इसके बाद सभी 54 हजार रजिस्ट्री का एक्सेल डेट पैन ड्राइव में एकत्र कराया और उसे साथ ले गई। सूत्रों की मानें तो रजिस्ट्री के रिकॉर्ड से क्रेता और विक्रेता से टीम संपर्क कर सकती है।

जांच का आदेश मिलते ही दूसरे दिन पहुंच गई टीम

जमीन की रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दर्ज कराकर आयकर चोरी की आशंका को देखते हुए संयुक्त आयकर निदेशक सोनल सिंह ने चार अगस्त को जांच के आदेश दिए हैं। एक पत्र निबंधन कार्यालय को भी दिया गया है। जांच में गोरखपुर और वाराणसी के दो अधिकारी लीड कर रहे हैं। टीम में गौरव प्रकाश, रतनसेन सिंह, गणेश लाल, अमित गुप्ता, अतुल सिंह शामिल रहे।

ये 10 भारतीय क्रिकेटर्स कभी भी कर सकते हैं संन्यास का ऐलान, वापसी अब लगभग नामुमकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो चुकी है कि एक बार टीम से बाहर हुए खिलाड़ी के लिए वापसी की राह बेहद कठिन हो जाती है. कुछ खिलाड़ी शानदार घरेलू प्रदर्शन से वापसी कर लेते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनके लिए टीम इंडिया का दरवाजा लगभग हमेशा के लिए बंद हो जाता है. यहां हम बात कर रहे हैं उन 10 भारतीय क्रिकेटरों की, जिनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी अब लगभग असंभव मानी जा रही है.

हनुमा विहारी

हनुमा विहारी ने 2021 के सिडनी टेस्ट में साहसी बल्लेबाजी कर टीम को ड्रॉ दिलाया था, लेकिन इसके बाद से उन्होंने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. 2022 के बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है.उनका भारतीय टीम में वापसी करना अब न के बराबर है.

युजवेंद्र चहल

35 साल के हो चुके चहल फिलहाल दो साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उनके स्थान पर युवा स्पिनर्स को प्राथमिकता दी जा रही है. उम्र और हालिया फॉर्म को देखते हुए भारतीय टीम में उनकी वापसी अब मुश्किल लग रही है.

अजिंक्य रहाणे

टीम इंडिया के पूर्व उपकप्तान रह चुके रहाणे को अब घरेलू टूर्नामेंट्स में भी लगातार अनदेखा किया जा रहा है. दिलीप ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं में भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, जिससे यह साफ है कि अब उनकी टीम में वापसी की संभावना बेहद कम है.

चेतेश्वर पुजारा

भारत के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अब कमेंट्री करते नजर आ रहे हैं. उनकी क्रिकेट के मैदान से दूरी और उम्र को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वो कभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं.

विजय शंकर

विजय शंकर 2019 की वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन बीच टूर्नामेंट में ही चोट के बाद वो बाहर हो गए थे. उसके बाद शंकर टीम में वापसी नहीं कर सके. विजय शंकर घरेलू स्तर पर भी प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और अब भारतीय टीम में वापस चयन से दूर हो चुके हैं.

जयदेव उनादकट

34 वर्षीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 2023 में भारत की ओर से कुछ मुकाबले भी खेले थे, लेकिन बाद में वो टीम से फिर से बाहर हो गए थे. आज के समय में भारतीय टीम में युवा पेसर्स की भरमार के बीच उनकी जगह बनना अब मुश्किल है.

अमित मिश्रा

42 साल के मिश्रा ने भले ही अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा नहीं की है, लेकिन उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2017 में खेला था. भारतीय टीम में उनकी वापसी की संभावना न के बराबर है.

मनीष पांडे

मनीष पांडे 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा है, जिससे चयनकर्ता उन्हें टीम में दोबारा मौका नहीं दे रहे.

हर्षल पटेल

हर्षल पटेल आईपीएल में विकेट जरूर लेते हैं, लेकिन उनकी इकोनॉमी रेट हमेशा से चिंता का विषय रहा है. टीम इंडिया में इस समय तेज गेंदबाजों की लंबी कतार है, जिससे टीम में उनकी वापसी मुश्किल दिखती है.

दीपक हुड्डा

10 वनडे और 21 टी20 मैच खेलने के बाद से दीपक हुड्डा 2 साल से टीम से बाहर चल रहे हैं. आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन कुछ खाल नही रहा है, जिसके चलते उन्हें दोबारा टीम इंडिया में मौका मिलना मुश्किल लगता है.

एशिया कप 2025 से पहले

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्निपरिक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए बीसीसीआई अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें।

उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है। केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

कैनेडियन ओपन:

टॉसन ने कीज को हराया, सेमीफाइनल में ओसाका से भिड़ेंगी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। क्लारा टॉसन ने कैनेडियन ओपन में मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज पर 6-1, 6-4 से जीत हासिल कर 2025 के अपने दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉसन को पहला सेट जीतने में सिर्फ 27 मिनट लगे। दूसरा सेट टॉसन के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा। इगा स्वियाटेक और मैडिसन कीज पर लगातार जीत के साथ क्लारा टॉसन ने अपने सातवें डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। टॉसन का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा, जिन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। ओसाका ने स्वितोलिना को आठ मैचों में पांचवीं बार हराकर अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुल मिलाकर, इस जीत के साथ ओसाका छठी बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मियामी ओपन 2022 के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल है। टॉसन के साथ अपने सेमीफाइनल मुकाबले के बारे में बात करते हुए, ओसाका ने कहा, वह वाकई बहुत मजबूत हैं। मैंने इस साल ऑकलैंड में उनके साथ खेला था और चोटिल होने के कारण मुझे बीच में ही मैच रोकना पड़ा था। इसलिए, मैं बहुत खुश हूं कि मैं स्वस्थ हूं और मुझे उम्मीद है कि देखने आने वाले सभी लोगों के लिए यह एक अच्छा मैच होगा। ओसाका और टॉसन का सेमीफाइनल मुकाबला उनके करियर का दूसरा मुकाबला होगा। टॉसन ने इस साल की शुरुआत में ऑकलैंड में अपना पहला मैच जीता था। उस मैच में, ओसाका को पहला सेट 6-4 से जीतने के बाद रिटायर होना पड़ा था।

Chennai Grand Masters:

एक दिन के लिए स्थगित हुआ चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट, इस कारण लेना पड़ा फैसला

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट को एक दिन के लिए स्थगित किया है और अब इसका आयोजन बुधवार के बजाए गुरुवार को होगा। आयोजकों को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा क्योंकि जिस होटल में इसे होना है वहां आग लग गई। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट के निदेशक श्रीनाथ नारायण ने एक्स पर लिखा, पिछ्ली रात होटल में आग लग गई जहां चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स होना था। सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं और उन्हें पास के एक अन्य होटल में भेजा गया है। टूर्नामेंट एक दिन के लिए स्थगित किया जाता है। खिलाड़ियों को अंततः होटल वापस लाया गया, लेकिन सुरक्षा जांच के बाद टूर्नामेंट एक दिन बाद शुरू होगा।

समय में नहीं होगा बदलाव

चेसबेस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई के होटल हयात रीजेंसी के नौवें तल्ले पर आग लग गई जिस कारण पूरे होटल में धुआं छा गया और सभी को होटल से बाहर निकाला गया। इस दौरान वहां सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि मैच का समय वही रहेगा, लेकिन अब कार्यक्रम से रेस्ट डे हटाया गया है। उन्होंने कहा, समय वही रहेगा और टूर्नामेंट 15 अगस्त को ही समाप्त होगा। बीच में एक दिन का विश्राम था और अब वह कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये है। इस प्रतियोगिता में भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी, अनुभवी विदित गुजराती और नीदरलैंड के अनीश गिरी जैसे नामी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के अवॉन्डर लियांग के खिलाफ करेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जाएंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे। इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिए अहम होंगे।

Asia Cup 2025: शुभमन गिल, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह बनानने की दौड़ में शामिल हैं जो 9 सितंबर से शुरू होगा। भारत को सितंबर के अंत हमें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है, लेकिन इसके बावजूद ये तीनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल हैं। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान अगस्त के तीसरे सप्ताह में किया जा सकता है। हालांकि

गिल और यशस्वी ने व्यस्त शेड्यूल की वजह से पिछले कुछ टी20 सीरीज में भारत के लिए नहीं खेले थे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद वो एशिया कप के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक टीम इंडिया के सेलेक्टर्स ने विकल्प खुले रखे हैं। एशिया कप का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा जबकि इसके लगभग एक सप्ताह के अंदर ही वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू हो जाएगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा।

क्या मोहम्मद शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी अब मुश्किल हो गई है?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट से बाहर चल रहे हैं। भारत और इंग्लैंड सीरीज के बाद क्या उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी होगी। इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। मोहम्मद शमी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इंजरी की वजह से एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला। उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था और इसी वजह से उन्हें टी20 और फिर वनडे फॉर्मेट में जगह दी गई। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी अभी तक नहीं हो पाई है। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज, इंग्लैंड टेस्ट सीरीज तीन ऐसे मौके थे, जब शमी की टेस्ट में वापसी हो सकती थी। लेकिन चाहे फिटनेस का कारण रहा हो या युवाओं को अधिक मौके देना, शमी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पाए। हाल के मैचों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने युवा तेज गेंदबाजों को अहमियत दी है। इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से मना कर दिया। नतीजन, युवाओं को इंग्लैंड में मौका मिला और उन्होंने इसे भुनाने की पूरी कोशिश की। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी की। आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। बुमराह और सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए।

सवाल ये है जसप्रीत बुमराह, सिराज की मौजूदगी और आकाश दीप और कृष्णा के चमकदार प्रदर्शन के बाद क्या अब भी

शमी की टेस्ट टीम में वापसी संभव है?

शमी की वापसी होगी या नहीं, इसका जवाब तो बीसीसीआई दे सकती है। लेकिन, कुछ चीजें हैं, जो फिलहाल इस तेज गेंदबाज के पक्ष में नहीं दिखती। शमी के साथ इंजरी की समस्या रहती है। वह 3 सितंबर को 35 साल के हो जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया मैनेजमेंट युवा तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रही है, जो मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में फिटनेस, उम्र शमी के पक्ष में नहीं है, साथ ही युवा गेंदबाजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा भी है।

बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान ने भी किया संभावित टीम का ऐलान

एशिया कप 2025 के लिए खेला बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 के लिए शुरुआती टीम चुन ली है, जिसमें 22 खिलाड़ियों के नाम हैं। साथ ही बोर्ड के अधिकारी ने कहा कि स्टार लेग स्पिनर राशिद खान की खराब फॉर्म को लेकर चिंता नहीं है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि जल्द ही वह फॉर्म में वापसी कर लेंगे। एसीबी ने 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आगामी एशिया कप के लिए राशिद की अगुवाई में 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा की है।

राशिद ने इंडियन प्रीमियर लीग के बाद मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के लिए मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। उनका प्रदर्शन काफी खराब रहा। उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए 9.34 की इकॉनमी रेट और 57.11 की औसत से सिर्फ 9 विकेट लिए थे। एसीबी की चयन समिति के सदस्य मीर मुबारिज ने क्रिकबज से कहा- राशिद खान अफगानिस्तान के सुपरस्टार खिलाड़ी हैं। उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। फॉर्म में होना या खराब होना खेल का हिस्सा है, लेकिन वह अच्छी तरह जानते हैं कि कैसे मजबूती से वापसी करनी है और टीम और देश के लिए बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करना है। यूएई में अफगानिस्तान करेगा एशिया कप की तैयारी, पाकिस्तान के साथ ट्राई सीरीज

बोर्ड त्रिकोणीय टी20 सीरीज में भाग लेने से पहले दो हफ्ते का तैयारी शिविर आयोजित करेगा, जिसमें यूएई और पाकिस्तान शामिल हैं। इस सीरीज के बाद अफगानिस्तान एशिया कप फोकस करेगा, जिसमें उसके ग्रुप में हॉन्गकॉन्ग, बांग्लादेश और श्रीलंका हैं। मुबारिज ने कहा- हमने त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप से पहले तैयारी शिविर के लिए एक प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है, जहां नए खिलाड़ियों की जांच कोचिंग स्टाफ और कप्तान दोनों प्रशिक्षण और तैयारी शिविर के दौरान करेंगे।

द हंड्रेड: 45 गेंदों में 0 रन, खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान, वॉर्नर-विलियमसन की टीम का काम तमाम

नई दिल्ली, एजेंसी। नए सीजन का आगाज राशिद खान की हीरोपंती के साथ हुआ है. 5 अगस्त को लंदन स्पिरिट और ओवल इन्विंसिबल के बीच मुकाबले के साथ द हण्ड्रेड का आगाज हुआ, जिसमें राशिद खान ने अपने नाम के मुताबिक कमाल किया. बल्लेबाजों को नाच नचा देने वाली राशिद खान की गेंदों का ही नतीजा रहा कि मेंस कैटेगरी में खेला द हण्ड्रेड का पहला मैच लो-स्कोरिंग रहा. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि टीम में वॉर्नर-विलियमसन जैसे बल्लेबाजों के होने के बावजूद लंदन स्प्रिट ने 45 गेंदें बर्बाद की. मतलब, उन पर कोई रन ही नहीं बनाए. अब ऐसे में ओवल इन्विंसिबल को जो टारगेट मिला, वो इतना छोटा रहा कि उसे चेज करना उनके लिए आसान हो गया. पहले बैटिंग

करने उतरी लंदन स्पिरिट का हाल इतना बुरा रहा कि 45 गेंदें तो उसने डॉट खेली हीं, उसके अलावा उससे अपनी इनिंग की पूरी 100 गेंदें भी नहीं खेली गई. लंदन स्प्रिट की पारी सिर्फ 94 गेंदों में ही सिमट गई. इन 94 गेंदों में उसने सिर्फ 80 रन बनाए. लंदन स्प्रिट को डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन से उम्मीदें थीं मगर उन दोनों की कहानी 9-9 रन से आगे नहीं बढ़ सकी. लंदन स्पिरिट की इस हाल के जिम्मेदार वैसे तो ओवल इन्विंसिबल के सारे गेंदबाज रहे. मगर राशिद खान और सैम करन की भूमिका इसमें कुछ ज्यादा रही.

द हण्ड्रेड के नए सीजन का खेल शुरू होते ही राशिद खान हीरो बन गए. ओपनिंग मैच में उन्होंने अपने कोटे की 20 गेंदों में जितने रन नहीं दिए, उससे ज्यादा गेंदें डॉट फेंकी. उन्होंने 20 गेंदों में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए. इस दौरान 15 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी.